A Daily News Magazine
इंदौर
गुरुवार, 02 जुलाई, 2026
इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित
वर्ष 11 अंक 270, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2
सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

ट्रस्टियों की आपसी गुटबाजी ने किया चढ़ावा चोरी का खुलासा

प्रशांत श्रीवास्तव

अयोध्या के राम मंदिर में दान राशि के कथित गबन का मामला सामने आने, एफआईआर दर्ज होने और आठ लोगों की गिरफ्तारी के तीन हफ्ते बाद ट्रस्ट से जुड़े वर्तमान और पूर्व पदाधिकारियों से हुई बातचीत से संकेत मिलता है कि प्रबंधन के अंदर की आपसी खींचतान ने ही कथित गड़बड़ी का पर्दाफाश किया।

अयोध्या में ट्रस्ट से जुड़े कई सूत्रों ने बताया कि यह मामला तब सामने आया जब ट्रस्ट के तीन प्रमुख चेहरों–महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी अनिल मिश्रा और आमंत्रित सदस्य गोपाल राव के करीबी माने जाने वाले लोगों के बीच मतभेद बढ़ गए। गिरफ्तार आठ लोगों में टिन्नू यादव, लवकुश मिश्रा और अनुकल्प मिश्रा शामिल हैं। तीनों का संबंध ट्रस्ट के इन प्रभावशाली लोगों से था। सूत्रों का दावा है कि दान की नकदी के प्रबंधन में कथित गड़बड़ियों को लेकर सबसे पहले इन्हीं लोगों के बीच विवाद शुरू हुआ था।

ट्रस्ट प्रबंधन से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह विवाद करीब दो महीने से अंदर ही अंदर चल रहा था, लेकिन बाद में सार्वजनिक हो गया। हर समूह दूसरे पर दान की व्यवस्था से पैसा कमाने का आरोप लगा रहा था। शिकायतें बार-बार चंपत राय और अनिल मिश्रा तक पहुंचीं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। 'चंपत राय के करीबी माने जाने वाले टिन्नू यादव और उनके भतीजे मनीष यादव पर अन्य लोगों को शक हुआ। आरोप था कि उन्होंने अयोध्या और आसपास के इलाकों में तेज़ी से संपत्तियां खरीदी हैं। इसके जवाब में टिन्नू और मनीष ने कथित तौर पर अनुकल्प मिश्रा पर इसी तरह के आरोप लगाए। अनुकल्प, लवकुश मिश्रा के रिश्तेदार हैं। अनुकल्प और लवकुश मिश्रा को ट्रस्टी अनिल मिश्रा का करीबी माना जाता है। इसके बाद दोनों गुटों ने एक-दूसरे के खिलाफ बाहरी लोगों से सबूत जुटाने शुरू कर दिए और आरोप सार्वजनिक हो गए।

13 जून को राज्य सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) से जुड़े सूत्र भी इस आकलन से सहमत हैं। उनका दावा है कि चंपत राय और अनिल मिश्रा दोनों अपने-अपने करीबी लोगों को बचाने की कोशिश कर रहे थे, जिसके कारण उस समय कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं की गई। मंदिर परिसर की सुरक्षा चार अलग-अलग एजेंसियों के जिम्मे है–उत्तर प्रदेश एसएसएफ, सीआरपीएफ, पीएसी और एक निजी सुरक्षा एजेंसी। सूत्रों के अनुसार, 5 जून को विवाद तब बढ़ गया जब निजी सुरक्षा एजेंसी के कर्मचारियों ने कुछ कर्मचारियों की जेबों में नकदी पाई। इसके बाद मंदिर प्रशासन के अलग-अलग समूहों के बीच आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए।

7 जून को समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने अयोध्या के एक स्थानीय पार्टी नेता से जानकारी मिलने के बाद सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए यह मुद्दा उठाया। इसके साथ ही यह मामला राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बन गया। उसी दिन, 7 जून को, चंपत राय ने सार्वजनिक रूप से दान प्रबंधन व्यवस्था में किसी भी तरह की गड़बड़ी से इनकार किया था। हालांकि, एसआईटी की शुरुआती जांच से इन दावों की पुष्टि नहीं हुई।

इसके बाद 9 जून को एक वीडियो सामने आया, जिसमें महिपाल सिंह दिखाई दिए। वह पहले मंदिर की नकदी प्रबंधन व्यवस्था और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े रहे हैं। वीडियो में उन्होंने दान राशि के प्रबंधन में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियों का आरोप लगाया। उनके अनुसार, कथित गड़बड़ी उस समय होती थी जब दान में मिली नकदी को गिनकर बंडलों में बांधा जाता था और फिर बैंक में जमा करने के लिए बक्सों में पैक किया जाता था। एक कर्मचारी ने कहा कि मैंने कई बार कुछ लोगों को नकदी के बंडलों में हेरफेर करते देखा था।' इसकी जानकारी नकदी गिनने वाली टीम के प्रभारी सुभाष श्रीवास्तव को दी गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। आखिरकार उसने और इसी वजह से चार अन्य युवकों ने भी नौकरी छोड़ दी थी।

चंपत राय को लंबे समय से ट्रस्ट का सबसे प्रभावशाली पदाधिकारी माना जाता रहा है। साल 2021 में कर्नाटक के रहने वाले और आरएसएस पृष्ठभूमि से जुड़े गोपाल राव को ट्रस्ट में आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल किया गया था। गोपाल राव को चंपत राय के बराबर अधिकार दिए गए थे और वह मंदिर निर्माण से जुड़े महत्वपूर्ण फैसलों में शामिल हो गए थे। मंदिर का निर्माण पूरा होने के बाद ट्रस्टी अनिल मिश्रा ने मंदिर के प्रशासनिक कामकाज में बड़ी भूमिका निभाई। अयोध्या के निवासी होने के कारण उन्होंने अपने परिचित कई लोगों को नकदी प्रबंधन और अन्य प्रशासनिक जिम्मेदारियों से जुड़े पदों पर नियुक्त कराने में मदद की।

समय के साथ ट्रस्ट के अंदर तीन अलग-अलग गुट बन गए–एक चंपत राय के समर्थकों का, दूसरा अनिल मिश्रा के समर्थकों का और तीसरा गोपाल राव के समर्थकों का। ट्रस्ट के वरिष्ठ सदस्य और निर्मोही अखाड़ा के महंत आचार्य दिनेंद्र दास ने बताया कि चंपत राय, अनिल मिश्रा और कुछ अन्य ट्रस्ट सदस्यों के बीच संबंध अक्सर तनावपूर्ण रहते थे। ट्रस्ट के शुरुआती दिनों में मुझे और मेरे लोगों को अपने वाहन ट्रस्ट परिसर के अंदर ले जाने की अनुमति नहीं दी जाती थी। एक दिन मैंने खुलकर इसका विरोध किया। दिनेशचंद्र दास ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद निर्मोही अखाड़े को ट्रस्ट में स्थायी प्रतिनिधित्व मिला था, लेकिन ट्रस्ट के कुछ पदाधिकारी अखाड़े की भागीदारी से सहज नहीं थे।

सूत्रों का दावा है कि दिनेंद्र दास के उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ अच्छे संबंध हैं, जबकि ट्रस्ट के अंदर चंपत राय और अनिल मिश्रा को आमतौर पर केंद्र सरकार का मजबूत समर्थन प्राप्त माना जाता था। ट्रस्ट से जुड़े सूत्रों के अनुसार, वरिष्ठ सदस्यों के बीच मतभेद पहले से ही किसी से छिपे नहीं थे। जब चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफे सौंपे गए, तब उन्हें आधिकारिक रूप से स्वीकार किए जाने की पुष्टि में असामान्य देरी हुई। आखिरकार ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरी ने इसकी घोषणा की। यह घटना भी ट्रस्ट के भीतर मौजूद अंदरूनी मतभेदों को दिखाती है।

एसआईटी से जुड़े सूत्रों ने बताया कि उनकी शुरुआती जांच में डोनेशन गिनने के प्रोसेस को कंट्रोल करने वाले स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) के कई उल्लंघनों की ओर इशारा है। कैश गिनने के दौरान सिक्योरिटी गार्ड की तैनाती, काउंटिंग रूम में अंदर जाने के पहले और बाहर जाने के बाद कर्मचारियों की तलाशी लेना और काउंटिंग प्रोसेस की सीसीटीवी फुटेज को 180 दिनों तक सुरक्षित रखने जैसे ज़रूरी प्रोटोकॉल का कथित तौर पर पालन नहीं किया गया। डोनेशन गिनने के प्रोसेस की सीसीटीवी फुटेज को ज़रूरी 180 दिनों के बजाय सिर्फ 45 दिनों के लिए रखा गया।'

('दि प्रिंट हिंदी' में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सुप्रभात

शहर में हर सिम्त छाई चुप्पियां हैं
बहुत घबराई हुई सी तितलियां है
कत्ल आधी रात को कोई हुआ है
औ सियासत में बहुत सरगर्मियां हैं
मोतबर सब लोग सजदे में खड़े हैं
उड़ रही इंसानियत की धज्जियां हैं

सच खड़ा ही रह गया बस चीखता
पा गए छल–छद्म सारी सुर्खियां हैं
अब कहां सच बोलने वाले बचे हैं
सज रही खबरों की केवल अर्थियां हैं
सुबह से कोई मुनादी हो रही है
भर गई सब गांव की पगडंडियां हैं
उसके हिस्से में नहीं कुछ भी बचा है
खून से भीगी हुई बस चिट्ठियां हैं।

- ओम निश्चल

सिवनी पहुंचे मुख्यमंत्री : 494 करोड़ विकास कार्य का लोकार्पण किया, धान महोत्सव में हुए शामिल

कोदो-कुटकी उत्पादक किसानों को मिलेगा बोनस

धान की फसल पर भी देंगे भावांतर योजना का लाभ : सीएम डॉ. यादव

सिवनी (नप्र)। सिवनी में आयोजित प्रदेश स्तरीय धान महोत्सव और कोदो-कुटकी बोनस वितरण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल हुए। इस दौरान जिले को विकास कार्यों की बड़ी सौगात दी गई। मुख्यमंत्री ने जिले के लिए 494.16 करोड़ रुपए की लागत वाले 629 विकास कार्यों की सौगात दी। इनमें 349.33 करोड़ रुपए के कार्यों का लोकार्पण और 144.83 करोड़ रुपए के कार्यों का भूमिपूजन शामिल रहा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिवनी में खेतों में धान के पौधों को रोप कर धान महोत्सव का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारे हलधर किसान सिर्फ अन्नदाता नहीं, इस धरा के वास्तविक शुभंकर है। वे अपने अथक परिश्रम से पूरे समाज का उदर-पोषण करते हैं। किसानों की खुशहाली ही हमारी सरकार का संकल्प हैं क्योंकि किसान समृद्ध होगा, तभी हमारा प्रदेश और देश समृद्ध होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महाकौशल की धरती धान उत्पादन के लिए जग प्रसिद्ध है। शेर की दहाड़ और सतपुड़ा के पहाड़ और अब यहां की छत्रिय धान इस क्षेत्र की बड़ी पहचान है। छत्रिय धान को अब भौगोलिक संकेतक टैग (जीआई टैग) मिल गया है। यह हमारी देशज और पारंपरिक कृषि का वैश्विक सम्मान है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के धान उत्पादक किसानों के हित में बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि अब धान की फसल पर भी भावांतर योजना का लाभ दिया जाएगा।

किसानों को राशि का अंतरण- कार्यक्रम में कोदो-कुटकी उत्पादक 3,941 किसानों के खातों में 2 करोड़ 82 लाख 99 हजार 300 रुपए की प्रोत्साहन राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की गई। यह राशि प्रति क्विंटल एक हजार रुपये की दर से दी जा रही है।

विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और भूमिपूजन- कार्यक्रम में लोक निर्माण, स्वास्थ्य, नगरीय विकास, शिक्षा, खेल और जनजातीय कार्य विभाग से जुड़ी कई परियोजनाओं का लोकार्पण और भूमिपूजन किया गया। इसमें सड़क, पुल, नल-जल योजना, अस्पताल, छात्रावास, आंगनवाड़ी भवन और अन्य निर्माण कार्य शामिल हैं।पंडाल में बैठे लोगों के पास पहुंचने पर लोगों ने अपनी समस्याओं और अन्य बातों को लेकर सीएम को आवेदन दिए। घनश्याम सनोडिया, को प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के अंतर्गत पंजाब नेशनल बैंक सिवनी द्वारा 8.92 लाख ऋण एवं 10 लाख अनुदान राशि का चेक दी गई।

सीएम बोले-श्रीअन्न उत्पादन पर फोकस- राज्य स्तरीय धान महोत्सव एवं किसान सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के कल्याण और कृषि विकास के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि कृषि प्रदेश की अर्थव्यवस्था की मजबूत नींव है।

सिर पर गमछा बांधा, खेत में धान रोपने लगे, हाथ में रखकर रोटी खाई

मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव का अनोखा अंदाज देखने को मिला है। सीएम मोहन यादव ने महिलाओं के साथ खेत में धान की रोपाई की। सीएम का अंदाज देख वहां मौजूद लोग हैरान रह गए और उनकी सादगी की तारीफ करने लगे। सिवनी दौरे पर सीएम ने जिले को कई बड़ी सौगातें दी हैं। 349.33 करोड़ रुपये लागत के 586 विकास कार्यों का लोकार्पण और 144.8 करोड़ के भूमि-पूजन किए।

भारतीय सेना बना रही है स्पेशल 'बाज बटालियन'

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय सेना खुद को हर क्षेत्र में मजबूत कर रही है। अब ड्रोन क्षेत्र में मजबूत होने की प्रक्रिया पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिसके तहत भारत विशेष बाज बटालियन बना रहा है। भारतीय सेना अपनी निगरानी क्षमता और ड्रोन युद्ध की तैयारियों को और मजबूत करने के लिए विशेष बाज बटालियन बना रही है। ये बटालियन फ्रंटलाइन यूनिट्स को उन्नत हवाई निगरानी, सिचुएशनल अवेयरनेस और ड्रोन संचालन की सुविधा प्रदान करेंगी। सेना के सूत्रों ने बताया कि 'बाज बटालियन' सीमा निगरानी, ड्रोन युद्ध की तैयारी, संवेदनशील इलाकों में ऑपरेशनल तैयारियों और फ्रंटलाइन यूनिट्स व इंटेलिजेंस सिस्टम के बीच बेहतर समन्वय को मजबूत करेंगी। 'बाज बटालियन' का गठन भारतीय सेना को और अधिक तकनीक-सक्षम और भविष्य-उन्मुख बनाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर से सबक लेते हुए की पहल

सूत्रों के अनुसार, इन बटालियनों में विशेष प्रशिक्षित जवानों का पूल होगा, जो आरपीए सिस्टम को ऑपरेट और मैनेज करेंगे। इसका उद्देश्य खुफिया जानकारी, निगरानी और टोही (आईएसआर) क्षमताओं को बढ़ाना है, ताकि युद्धक्षेत्र में निरंतर नजर रखी जा सके और तेज प्रतिक्रिया दी जा सके। ये बटालियन संभवत: आर्मी एविएशन कोर के अंतर्गत काम करेंगी। सेना ने हाल के संघर्षों रूस-यूक्रेन युद्ध, चीन के साथ एलएसी पर तनाव और पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर से सबक लेते हुए यह पहल की है।

मां-बेटे समेत 3 को कुचला

मासूम का भेजा बाहर

डंपर ने 15-20 मीटर घसीटा, उंगलियां तक गायब; लाश के पास दर्द से बिलखती रही मां

सीहोर (नप्र)। मध्य प्रदेश के सीहोर जिले में तेज रफ्तार डंपर ने मां-बेटे समेत 3 लोगों को कुचल दिया। करीब 15-20 मीटर तक घसीटा। बेटे के शरीर के चीथड़े उड़ गए हैं। बच्चे का भेजा बाहर आ गया। दोनों हाथ भी टूट गए हैं। मां का पैर भी बुरी तरह कुचला गया। एक पैर की उंगलियां गायब हो गई हैं। बेटे की लाश के पास मां रोती-बिलखती रही।

जानकारी के मुताबिक, हादसा बुधनी के तालपुरा जोड़ पर हुआ है। मृतक की पहचान जाजना-रेहटी निवासी 4 साल के तनीश कीर के रूप में की गई है, जबकि उसकी मां का नाम प्राची कीर (25) है। वहीं परिजन मनीष कीर (45) भी गंभीर रूप से घायल हो गए।

सड़क पर घायल मां दर्द से तड़पती और बिलखती नजर रही। वह खुद गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद बार-बार अपने मासूम बेटे की ओर देखती रही। आसपास मौजूद लोग उसे संभालने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन मां की चीखें थमने का नाम नहीं ले रहीं। वहीं कुछ ही दूरी पर सड़क खून से लाल हो गया।

मां के सामने बिखर गई बेटे की जिंदगी- प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसा इतना भयावह था कि 4 साल का तनीश डंपर की चपेट में आने के बाद करीब 15 से 20 मीटर तक सड़क पर घिसटता चला गया। सड़क पर दूर-दूर तक खून फैला हुआ था।

डंपर जब्त, चालक पर केस दर्ज

एसडीओपी रवि शर्मा ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। डंपर को जब्त कर लिया गया है। ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

स्थानीय लोगों ने घायलों को पहुंचाया अस्पताल

इस दौरान लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे के कारण कुछ देर तक सड़क पर यातायात भी प्रभावित रहा। हादसे में मनीष कीर (45) और प्राची कीर (25) भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। दोनों की हालत गंभीर होने पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए नर्मदापुरम रेफर किया गया है।

शाजापुर में काल बनकर आया कोबरा

दो बच्चों के साथ ही मां को पैर में डसा; अस्पताल पहुंचने से पहले थमी सांसें

शाजापुर (नप्र)। मानसून आते ही सांप डसने के मामले सामने आने लगे हैं। शाजापुर के सलसलाई थाना क्षेत्र स्थित तिंगजपुर गांव में एक दर्दनाक घटना घटी है। बच्चे के साथ सो रही मां को सांप ने डस लिया है। चीख सुनकर मौके पर परिजन पहुंचे और शाजापुर जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया है।

दो बच्चों के साथ सो रही थी महिला- दरअसल, घटना के समय महिला अपने घर में दो छोटे बच्चों के साथ सो रही थी। सांप के डसते ही महिला की चीख-पुकार सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और किसी तरह सांप को हटाया। गंभीर हालत में महिला को तत्काल निजी वाहन से जिला अस्पताल शाजापुर ले जाया गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

पैर में डस लिया

- जानकारी के अनुसार मृतक ममता बाई (पत्नी राधेश्याम मेवाड़ा), निवासी पिपली मोहल्ला, ग्राम तिंगजपुर मंगलवार रात करीब 11 बजे अपने घर में सो रही थीं। उनके पास ही उनकी छह वर्षीय बेटी आरती और दो वर्षीय पुत्र अनमोल भी सो रहे थे। इसी दौरान एक जहरीला सांप घर में घुस आया और ममता बाई के पैर में डस लिया।
- **सांप को पैर से किया अलग-** दर्द से तड़पती महिला के शोर मचाने पर परिजन जागे और सांप को पैर से अलग किया। इसके बाद बिना समय गंवाए उन्हें निजी वाहन से जिला अस्पताल शाजापुर ले जाया गया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। बुधवार सुबह पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

गनीमत रहा कि दोनों बच्चे हैं सुरक्षित

बताया जा रहा है कि मृतका के पति राधेश्याम मेवाड़ा मजदूरी के सिलसिले में दूसरे गांव जाते हैं। ममता बाई की असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। सबसे अधिक मार उनके दो मासूम बच्चों पर पड़ी है, जिनके सिर से मां का साया हमेशा के लिए उठ गया। गांव में घटना के बाद शोक और संवेदना का माहौल बना हुआ है।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 20 °c | न्यूनतम 18°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ गुरुवार, 02 जुलाई 2026

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

महंत नृत्य गोपाल दास की तबियत बिगड़ी

● राम जन्मभूमि ट्रस्ट के अध्यक्ष बेहोशी की हालत में लाए गए अस्पताल

लखनऊ (एजेंसी)। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है। 89 वर्षीय महंत को 29 जून की दोपहर बेहोशी की हालत में अस्पताल लाया गया था। जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन से पीड़ित बताया है। फिलहाल उनका इलाज अस्पताल के आईसीयू में विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में चल रहा है। मेदांता अस्पताल की ओर से जारी मेडिकल बुलेटिन के अनुसार, महंत नृत्य गोपाल दास को 29 जून को दोपहर करीब 1.30 बजे

बेहोशी की हालत में इमरजेंसी विभाग में लाया गया था। प्रारंभिक जांच के बाद डॉक्टरों ने यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन की पुष्टि की।

विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में इलाज- अस्पताल के अनुसार, महंत नृत्य गोपाल दास को आईसीयू में भर्ती किया गया है। उनका उपचार क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ डॉ. दिलीप और उनकी टीम की देखरेख में चल रहा है। विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम लगातार उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर नजर रखे हुए है और आवश्यक चिकित्सा उपलब्ध करा रही है।

6 जुलाई की अहम ट्रस्ट बैठक पर संशय- महंत नृत्य गोपाल दास श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष हैं। ट्रस्ट की 6 जुलाई को एक महत्वपूर्ण बैठक प्रस्तावित है। यह बैठक ट्रस्ट के दो प्रमुख ट्रस्टियों चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफे तथा राम मंदिर में दान विवाद के बाद उत्पन्न परिस्थितियों पर चर्चा के लिए बुलाई गई है।

राम मंदिर चोरी मामले में बढ़ गई एसआईटी जांच की समय-सीमा

● सीएम योगी ने बढ़ाया दायरा,15 जुलाई तक सौंपनी होगी रिपोर्ट

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या तीर्थ क्षेत्र में दान प्रकरण की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) की समय-सीमा 15 जुलाई तक बढ़ा दी है। मामले के विभिन्न पहलुओं की गहन छानबीन के लिए एसआईटी ने मुख्यमंत्री से अतिरिक्त समय देने का अनुरोध किया था, जिसे स्वीकार करते हुए उन्होंने एसआईटी को आगामी 15 जुलाई तक अपनी रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुरोध पर एसआईटी का गठन करने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि एसआईटी इस प्रकरण में हर पहलू की सघनता और निष्पक्षता से जांच करते हुए दूध का दूध और पानी का पानी करेगी। दोषियों को किसी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। गत 23 जून को एसआईटी के प्रमुख सदस्य लखनऊ के मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने अपना प्रारंभिक प्रतिवेदन गृह विभाग को सौंपा था, जिसमें कठोर संस्तुतियां की गई थीं। इन संस्तुतियों के आधार पर गत 25 जून को एफआईआर दर्ज की गई थी।

संक्षिप्त समाचार

43 टांके, ब्रेन, हार्ट लंग्स, किडनी, लिवर सब गायब

वेनेजुएला में भारतीय नाविक राकेश चौहान की मौत का रहस्य गहराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। जिस भारतीय नाविक राकेश चौहान का पार्थिव शरीर वेनेजुएवा से भारत लाया गया, उसके सारे प्रमुख अंग गायब होने के आरोप लगे हैं। परिवार वालों ने दोबारा ऑटोप्सी की मांग की है। परिवार वालों की शिकायत के बाद फेडरेशन ऑफ सीफेयर्स ऑफ इंडिया (एफएसयूआई) ने इस

मौत की परिस्थितियों को लेकर विस्तृत जांच और परिवार के लिए मुआवजे की मांग की है। 33 वर्षीय राकेश चौहान उत्तर प्रदेश के रहने वाले थे। उनकी वेनेजुएला में कथित तौर पर संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। लेकिन, जब उनका शव भारत आया तो इस मौत का रहस्य और गहरा गया।

परिवार ने दोबारा ऑटोप्सी की मांग की- फेडरेशन ऑफ सीफेयर्स ऑफ इंडिया (एफएसयूआई) ने एक्स पर एक विस्तृत पोस्ट में लिखा है चौंकाने वाला मामला है कि भारतीय नाविक राकेश चौहान के शव को वेनेजुएला की सरकार ने बिना ऑटोप्सी रिपोर्ट या डिटेल्स के यूपी में उनके गृह नगर भेज दिया। परिवार ने दोबारा ऑटोप्सी की मांग की है। एफएसयूआई आगे लिखता है कि भारत में जो आधिकारिक पोस्ट-मॉर्टम हुआ, उसकी रिपोर्ट भयावह सच्चाई का खुलासा करती है।

एसयूआई ने उठाए कई गंभीर सवाल- सीफेयरर्स यूनियंस ऑफ इंडिया ने सवाल किया है कि परिवार की सहमति के बिना राकेश के शरीर से सभी महत्वपूर्ण अंग क्यों निकाले गए। परिवार को तब तक अंधेरे में क्यों रखा गया, जब तक उन्होंने भारत में दोबारा पोस्टमॉर्टम की मांग नहीं की।

एमपी कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की बढ़ी मुसीबत

गिरफ्तारी वारंट जारी, कोर्ट ने कहा- पुलिस उन्हें क्यों नहीं ढूंढ़ पा रही

ग्वालियर (एजेंसी)। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी का गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया गया है। यह वारंट ग्वालियर की एमपी एमएलए कोर्ट की तरफ से जारी किया गया है। यह पूरा घटनाक्रम साल 2024 के लोकसभा चुनाव से जुड़ा हुआ है। साथ ही कोर्ट ने पुलिस को भी फटकार लगाई है।

2024 लोकसभा चुनाव से जुड़ा है मामला

दरअसल, 2024 के लोकसभा चुनाव में जीतू

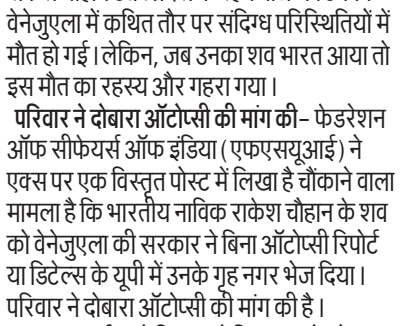

पटवारी भिंड जिले में पहुंचे थे। यहां उमरी इलाके में उन्होंने सार्वजनिक तौर पर यह बात कही थी कि बीएसपी के प्रत्याशी देवाशीष जरारिया बीजेपी के साथ मिलकर चुनाव को प्रभावित कर रहे हैं। यह बयान सामने आने के बाद देवाशीष जरारिया के चुनावी प्रतिनिधि अशोक गुप्ता ने इस बात की शिकायत उमरी थाने में दर्ज कराई थी। इसके बाद जीतू पटवारी पर एफआईआर दर्ज कर ली गई थी। इसी मामले की लंबे समय से सुनवाई चल रही थी। एमपी एमएलए कोर्ट की तरफ से कई बार जीतू पटवारी को सम्मन जारी किए गए थे।

बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने किया निरीक्षण

प्राकृतिक खेती और गोवंश सुविधाओं का लिया जायजा

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल आज बसामन मामा गौवंश वन्य विहार का दौरा कर वहां संचालित की जा रही प्राकृतिक खेती और गौवंश के लिए विकसित की जा रही आधारभूत सुविधाओं का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गौवंश वन्य विहार परिसर में पूर्णतः प्राकृतिक रूप से उगाई गई हरी सब्जियों और अन्य खाद्य सामग्रियों को भी देखा और उनकी गुणवत्ता की सराहना की।

निरीक्षण के दौरान उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने उपस्थित किसान भाइयों और आमजनों से कहा कि बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में प्राकृतिक खेती का एक बेहतरीन और आदर्श मॉडल विकसित किया गया है। यहाँ कम जगह पर मल्टी-लेयर खेती की जा रही है, जिसमें सबसे नीचे हल्दी, अदरक और प्याज जैसी फसलें हैं, तो वहीं ऊपर लौकी, तोरई, कद्दू, करेला, खीरा, भिंडी और बैगन जैसी हरी सब्जियां सफलतापूर्वक उगाई जा रही हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि इस पूरी खेती में डीएपी और यूरिया जैसे केमिकल फर्टिलाइजर्स का उपयोग बिल्कुल शून्य है। यह पूरी तरह से विष-मुक्त खेती है। उन्होंने किसानों में फैली इस भ्रांति को दूर किया कि केवल रासायनिक खादों से ही ज्यादा उत्पादन संभव है। श्री शुक्ल ने कहा कि प्राकृतिक खेती से न केवल फसलों का उत्पादन बेहतर होता है और आमदनी बढ़ती है, बल्कि इससे उत्पादित साग-सब्जियों के सेवन से हमारे परिवार का स्वास्थ्य भी बेहतर रहता है और बीमारियों की संभावनाएं कम हो जाती हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने बताया कि इस गौवंश वन्य विहार में लगभग नौ हजार बेसहारा गायों का संरक्षण और संवर्धन किया जा रहा है, जिससे पर्याप्त मात्रा में गोबर और गोमूत्र उपलब्ध होता है। इसी का उपयोग कर यहाँ बीजामृत, जीवामृत, घनजीवामृत, नीमास्त्र और ब्रह्मास्त्र जैसे प्राकृतिक खाद एवं कीटनाशक तैयार किए जा रहे हैं। यहाँ गेहूं, धान, मूंग के साथ-साथ बड़े पैमाने पर बागवानी के तहत फलदार वृक्ष भी लगाए गए हैं। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने सभी किसान भाइयों से अपील करते हुए कहा कि वे बसामन मामा गौवंश वन्य विहार का दौरा करें और यहाँ आकर सीखें कि किस प्रकार प्राकृतिक खेती के माध्यम से लागत को कम करके लाभदायक खेती की जा सकती है। उन्होंने कहा कि इस पद्धति को अपनाकर हम न केवल अपनी जमीन की उर्वरा शक्ति को नष्ट होने से बचा सकते हैं, बल्कि रासायनिक खादों के आयात पर खर्च होने वाली देश की विदेशी मुद्रा की भी बड़ी बचत कर सकते हैं।

दुश्मनी खत्म करें, बातचीत और रिश्ते फिर शुरू हों

नई दिल्ली/इस्लामाबाद (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान के रिश्तों को सुधारने के लिए दोनों देशों की 117 हस्तियों ने पीएम मोदी और पाक पीएम शहबाज शरीफ को चिट्ठी लिखी है। इसमें कहा गया है कि टकराव नहीं, बातचीत का रास्ता चुनिए, ताकि

दक्षिण एशिया में शांति और विकास का माहौल बन सके। इन 117 हस्तियों में पूर्व अधिकारी, सामाजिक और राजनीतिक हस्तियां शामिल हैं। भारत की ओर से जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम फारुक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती और आरजेडी सांसद मनोज झा समेत 61 लोगों और पाकिस्तान की ओर से पूर्व विदेश मंत्री खुर्शीद महमूद कसूरी समेत 56 लोगों ने चिट्ठी पर साइन किए हैं।

बिहार में निशांत की नजरों से बचना होगा मुश्किल !

● सरकारी अस्पतालों में लगेंगे सीसीटीवी, पटना के कंट्रोल रूम से होगी निगरानी

पटना (एजेंसी)। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता लोगों को बेहतर और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि कोशिश है कि मरीजों का इलाज जिला अस्पतालों में ही हो जाए और जरूरत पड़ने पर ही उन्हें पटना रेफर करना पड़े। मीडिया से बातचीत में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य के सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इसके लिए एक सॉफ्टवेयर भी विकसित किया जाएगा, जिससे स्वास्थ्य विभाग के कंट्रोल रूम से

अस्पतालों की निगरानी की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि वह स्वयं भी अस्पतालों का निरीक्षण करेंगे और अपनी टीम को भी भेजेंगे, लेकिन तकनीक के जरिए नियमित मॉनिटरिंग की व्यवस्था विकसित की जाएगी। अगर कहीं कोई अनियमितता पाई गई तो संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

350 तरह की दवा देती है सरकार

स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने कहा कि सरकार ये सुनिश्चित करेगी कि डॉक्टर समय पर ड्यूटी करें और मरीजों को बेहतर इलाज मिले। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने सरकारी अस्पतालों में 504 प्रकार की दवाइयां उपलब्ध कराने का लक्ष्य तय किया है। फिलहाल करीब 350 दवाइयां उपलब्ध कराई जा रही हैं और शेष दवाओं की उपलब्धता पर काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाएगी।

अब दिल्ली में और पावर फुल होंगे एकनाथ शिंदे

● एनडीए में बढ़ेगा कद, 2 सांसद बनेंगे मंत्री

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का कद अब दिल्ली में भी बढ़ने के आसार हैं। खबर है कि शिवसेना से 2 सांसद मंत्री बनने वाले हैं। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक रूप से कुछ नहीं कहा गया है। ये अटकलें ऐसे समय पर लगाई जा रही हैं, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाले कैबिनेट में फेरबदल की तैयारी जोरों पर है। फिलहाल, इसकी तारीख और नाम स्पष्ट नहीं हैं। टीवी9 मराठी की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि श्रीकांत शिंदे और ओमराजे निम्बालकर मंत्री पद की शपथ लेने वाले हैं। खबरें ये भी हैं कि बुधवार को शिंदे दिल्ली रवाना हो रहे हैं। हालांकि, इस पर डिप्टी सीएम ने प्रतिक्रिया नहीं दी है।

● अभी और भी टूटेगी शिवसेना यूबीटी- 26 जून को ही मंत्री गुलाबराव पाटिल ने जूनियर शिंदे की तारीफ की थी। साथ ही उन्होंने अगले मुहिम का भी जिक्र किया था। उन्होंने कहा था, जल्द ही एक और ऐसी ही मुहिम सफल होगी। एकनाथ शिंदे ज्यादा बात नहीं करते। वे केवल अपनी दाढ़ी पर हाथ फेरते हैं, और जब भी वे ऐसा करते हैं, तो यह इस बात का संकेत होता है कि कुछ होने वाला है।

● नार्थ-ईस्ट में भारी बारिश से तबाही के हालात

जम्मू-कश्मीर में बादल फटा

अरुणाचल में भीषण बाढ़

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर को डोडा में बुधवार सुबह 2 बार बादल फटा। भलेसा के कलालगीसर इलाके में बादल फटने से बाढ़ आ गई। ढेर सारा मलबा पहाड़ी से बहकर सड़क पर आ गया। इससे रास्ते ब्लॉक हो गए। वहीं, अरुणाचल प्रदेश में बाढ़ और लैंडस्लाइड का कहर है। अब तक 4 लोगों की मौत हो चुकी है। अंजॉ जिले के सारती गांव में लैंडस्लाइड में एक व्यक्ति की मौत हुई। इससे पहले कीयी पन्योर में बाढ़ में 3 लोग बह गए थे। अधिकारियों के मुताबिक 2 लोग लापता हैं। 28 जिलों के 90 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। इधर, मध्य प्रदेश के हरदा-खरगोन में बिजली गिरने से 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि बैतूल में एक ही परिवार के चार लोग झुलस गए। वहीं, चंपा नदी के उफान में बाइक समेत दो युवक बह गए। बिहार में भी बिजली गिरने से 5 लोगों की मौत हो गई। यूपी के सोनभद्र में मंगलवार शाम 4 बजे पिकनिक मनाने गए 3 लोग बरसाती नाले के तेज बहाव

में बह गए। एक ही मौत हुई। उत्तराखंड में बारिश से देहरादून में रिस्पना नदी उफान पर है। गंगा के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए ऋषिकेश में मंगलवार शाम से राफ्टिंग पर 31 अगस्त तक रोक लगा दी गई है।

दिल्ली,राजस्थान को छोड़ पूरे देश में मानसून पहुंचा- मानसून ने बुधवार को पंजाब और हरियाणा में एंट्री कर ली। अब दिल्ली और राजस्थान को छोड़ पूरे देश में मानसून पहुंच गया है। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि जुलाई में देश के ज्यादातर हिस्सों में सामान्य से कम बारिश हो सकती है। देश में इस साल जून महीने में 1901 के बाद पांचवीं सबसे कम बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार, जून में सामान्य 165.3 एमएम बारिश हुई है।

हत्या से पहले सिया ने छीन लिया था केतन का फोन

● क्या डिलीट की चैट और कॉल ? पुलिस ने सब बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पुणे के हाई-प्रोफाइल केतन अग्रवाल मर्डर केस में हर दिन नए खुलासे हो रहे हैं। बुधवार को पुलिस जांच में सामने आया कि हत्या से पहले केतन की मंगेतर सिया ने उसका मोबाइल फोन कुछ समय के लिए ले लिया था। हालांकि बाद में सिया ने केतन के एक रिश्तेदार को उसका मोबाइल सौंपा दिया था। अब पुलिस इस तफ्तीश में जुटी है कि क्या सिया ने केतन के मोबाइल से कोई सुराग मिटाए थे?

परिवार को सिया ने सौंपा था फोन- पुणे पुलिस ने पुष्टि की है कि केतन की हत्या के बाद कुछ समय तक उसका फोन सिया के पास था, लेकिन यह साफ नहीं है कि फोन के साथ कोई छेड़छाड़ की गई थी या नहीं। न्यूज एजेंसी के अनुसार, एक पुलिस अधिकारी ने कहा, बाद में उसने केतन का मोबाइल उसके परिवार को सौंप दिया। हम इस बात की जांच कर रहे हैं कि जब फोन उसके पास था, तो क्या कोई अहम सबूत डिलीट किया गया या उसके साथ कोई छेड़छाड़ की गई। पुणे के लोहगढ़ किले में 26 साल के केतन अग्रवाल को कथित तौर पर सिया ने धक्का देकर मार डाला।

क्राइम सीन रीक्रिएशन, गेट एनालिसिस का प्लान- रविवार को पुलिस ने सिया के साथ क्राइम सीन को रीक्रिएट किया, जहां सिया की मौजूदगी में एक डमी को चट्टान से नीचे गिराया गया। पुणे पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आज चेतन के साथ भी इसी तरह क्राइम सीन को रीक्रिएट किया गया, जिसमें पुलिस सह-आरोपी चेतन को किले पर ले गई। पुलिस गेट एनालिसिस करने की भी योजना बना रही है, जो किसी व्यक्ति के चलने के तरीके का वैज्ञानिक अध्ययन है। ऐसा बचाव पक्ष के उस दावे को खारिज करने के लिए किया जा रहा है जिसमें कहा गया है कि सीसीटीवी फुटेज में ट्रेक के दौरान केतन और सिया का पीछा करते हुए जो व्यक्ति दिख रहा है, वह चेतन नहीं है।

राजस्थान में बस-ट्रेलर भिड़े, 8 लोगों की मौत

दौसा (एजेंसी)। राजस्थान के दौसा जिले में मंगलवार देर रात बस-ट्रेलर की भिड़ंत हो गई। एक्सीडेंट में 8 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इनमें 6 लोगों की मौत आग में झुलसने से और 2 की सिर पर चोट लगने के कारण हुई है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि एक्सीडेंट कोलवा थाना क्षेत्र में हुआ है। बस ऋषिकेश से इंदौर जा रही थी स्लीपर में मध्य प्रदेश के अलग-अलग जिलों के 40 पैसेंजर्स थे। इनमें 21 लोग घायल भी हैं। 6 मृतकों

की पहचान के लिए डीएनए टेस्ट कराया जाएगा। इसके बाद बॉडी परिवार को सौंपी जाएगी। बस में आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। वहीं, स्थानीय ग्रामीणों का दावा है बस के स्टोरेज बॉक्स में सिगरेट भरी हुई थी।

वाहन चेकिंग में पुलिस से भिड़े कार सवार, महिला समेत 3 पर केस दर्ज

एक पुलिसकर्मी का मोबाइल छीनने का प्रयास भी किया गया

इंदौर। शहर के हीरानगर थाना क्षेत्र में वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस से अभद्रता और धक्का-मुक्की करने का मामला सामने आया है। चंद्रगुप्त चौराहे पर शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान पश्चिम बंगाल नंबर की एक हुंडई क्रेटा कार को रोकने पर उसमें सवार तीन लोग पुलिसकर्मियों से उलझ गए। पुलिस ने एक महिला समेत तीन आरोपियों के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना सोमवार रात की है। पुलिस के अनुसार,जांच के लिए वाहन रोकते ही कार सवारों ने कार्रवाई का विरोध शुरू कर दिया। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और आरोपियों ने पुलिसकर्मियों के साथ बहस, धक्का-मुक्की और झूमाझटकी की। इस दौरान एक पुलिसकर्मी का मोबाइल छीनने का भी प्रयास किया गया। मौके पर मौजूद एसीपी और अन्य अधिकारियों के समझाने के बावजूद आरोपी नहीं माने और काफी देर तक हंगामा करते रहे। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा में आ गया। पुलिस ने वीडियो और मौके पर मौजूद जवानों के बयान के आधार पर एक महिला सहित तीनों आरोपियों के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने समेत अन्य संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है। एडिशनल डीसीपी अमरेंद्र सिंह ने बताया कि कानून व्यवस्था में बाधा डालने और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों से अभद्रता करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मामले की जांच जारी है।

बीएसएफ की जमीन पर हरित क्षेत्र विकसित

इंदौर। शहर को हरा भरा बनाने की दिशा में इस वर्ष बड़े स्तर पर पौधरोपण अभियान की शुरुआत होने जा रही है। इस अभियान के तहत विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण की तैयारी तेज कर दी गई है। एमआईसी सदस्य राजेंद्र राठौर ने बताया कि पितृ पर्वत के आगे बुढ़ानिया क्षेत्र में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) द्वारा उपलब्ध कराई गई 14 हेक्टेयर भूमि पर करीब 2 लाख पौधे लगाए जाएंगे। बुधवार को बीएसएफ अधिकारियों के साथ प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण कर पौधारोपण की विस्तृत कार्ययोजना पर चर्चा की गई। अधिकारियों और कर्मचारियों को समयबद्ध एवं व्यवस्थित तरीके से अभियान पूरा करने के निर्देश दिए गए। अभियान का उद्देश्य शहर में हरित क्षेत्र बढ़ाने,पर्यावरण संरक्षण को मजबूती देने और भविष्य की पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं संतुलित वातावरण तैयार करना है।

हेलमेट-सीट बेल्ट लापरवाही नहीं चलेगी

इंदौर। सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए इंदौर में अब हेलमेट और सीट बेल्ट को लेकर सख्ती और जागरूकता अभियान साथ-साथ चलेंगे। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित सड़क सुरक्षा समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति अभय मनोहर सप्रे ने मंगलवार को जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई तेज की जाए और सड़क सुरक्षा को जन आंदोलन बनाया जाए। उन्होंने कहा कि इंदौर ने स्वच्छता में देश में पहचान बनाई है,अब सड़क सुरक्षा में भी नंबर-1 बनने का लक्ष्य तय करना होगा। बैठक में कलेक्टर शिवम वर्मा,नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल, डीसीपी ट्रैफिक राजेश त्रिपाठी सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। न्यायमूर्ति सप्रे ने कहा कि हेलमेट और सीट बेल्ट केवल नियम नहीं, बल्कि जीवन बचाने की सबसे प्रभावी सुरक्षा कवच हैं। उन्होंने स्कूलों, कॉलेजों,सामाजिक संगठनों और मीडिया से अभियान को जनभागीदारी से जोड़ने की अपील की।

हाई कोर्ट में अनोखी याचिका दायर

इंदौर। मध्य प्रदेश इंदौर हाई कोर्ट खंडपीठ में एक अनोखी याचिका पर सुनवाई हुई है, जिसमें मांग की गई है कि देश में एक व्यक्ति को केवल एक ही बार प्रधानमंत्री बनने की अनुमति हो। यह याचिका आलीराजपुर के वकील डॉ शंकरलाल वागवान ने दायर की है। मामले की सुनवाई जस्टिस संजीव एन भट्ट की कोर्ट में हुई, जहां केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। याचिका में 'वन नेशन-वन पोस्ट' लागू करने की मांग करते हुए कहा गया है कि समानता के अधिकार के तहत हर व्यक्ति को एक बार प्रधानमंत्री और गृहमंत्री बनने का अवसर मिलना चाहिए। कोर्ट ने कानून मंत्रालय और प्रधानमंत्री को नोटिस जारी करते हुए 3 अगस्त तक जवाब देने का समय दिया है। इसके बाद मामले की अगली सुनवाई होगी। गौरतलब है कि भारतीय संविधान में प्रधानमंत्री के कार्यकाल की अवधि 5 साल तय है, लेकिन किसी व्यक्ति के कितनी बार प्रधानमंत्री बनने पर कोई सीमा निर्धारित नहीं है।

आईडीए जनसुनवाई में पहुंचे 25 आवेदन

इंदौर। इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) की जनसुनवाई में मंगलवार को कुल 25 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें सर्वाधिक 15 आवेदन संपदा शाखा से संबंधित रहे। इसके अलावा 6 आवेदन भू-अर्जन शाखा, 3 तकनीकी शाखा तथा 1 आवेदन भू-अर्जन एवं रूपांकन शाखा से जुड़ा था। जनसुनवाई में अधिकारियों ने सभी आवेदनों की गंभीरता से सुनवाई कर आवेदकों की समस्याएं सुनीं। कुछ मामलों का मौके पर ही निराकरण किया गया,जबकि शेष आवेदनों को आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित शाखाओं को भेज दिया गया। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण कर आवेदकों को राहत प्रदान की जाए।

हेलमेट से दिया डिजिटल सुरक्षा का मंत्र

इंदौर। बढ़ते साइबर अपराधों के खिलाफ इंदौर पुलिस ने मंगलवार से 'सेफ क्लिक 2.0' अभियान की शुरुआत करते हुए साइबर जागरूकता रथ को रवाना किया। पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने हरी झंडी दिखाकर अभियान का शुभारंभ किया और नागरिकों से अनजान लिंक, फर्जी कॉल और ओटीपी शेयर करने जैसी गलतियों से बचने की अपील की। अभियान के तहत सड़क सुरक्षा के 34वें चरण में वाहन चालकों को हेलमेट वितरित किए गए। हेलमेट पर 'सेफ क्लिक 2.0' के स्टिकर लगाकर लोगों को सुरक्षित ड्राइविंग के साथ सुरक्षित डिजिटल व्यवहार का भी संदेश दिया गया। कार्यक्रम में अक्सा इंटरनेशनल की एयर होस्टेस ने साइबर ठगी के नए-नए तरीकों की जानकारी देते हुए उनसे बचाव के उपाय बताए। वहीं बच्चों ने साइबर सुरक्षा पर आधारित गीत प्रस्तुत किया और सिक्का स्कूल के विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के जरिए ऑनलाइन फ्रॉड के प्रति लोगों को जागरूक किया।

बुजुर्ग महिला को पुलिस ने दिलाया न्याय

इंदौर। पुलिस की जनसुनवाई में 90 साल की बुजुर्ग महिला पहुंची। महिला ने अपने बेटा-बहू पर प्रताड़ना के आरोप लगाए। आरोप के बाद पुलिस कमिश्नर ने जूनी इंदौर थाना प्रभारी को शिकायत निवारण के आदेश दिए। आदेश के बाद पुलिस ने बेटों को समझाया। जनसुनवाई में 83 आवेदन आए थे। सभी आवेदनों को पुलिस अधिकारियों ने गंभीरता से सुना और संबंधित थाना प्रमुखों को निराकरण के लिए भेजा। जनसुनवाई में 90 वर्षीय बुजुर्ग महिला तुलजा बाई ने बताया कि उसके बेटे सुनील, जीतू और सतीश द्वारा ध्यान नहीं रखा जा रहा है। इस पर पुलिस कमिश्नर ने तत्काल एसीपी जूनी इंदौर को काउंसलिंग के लिए निर्देशित किया। इस पर एसीपी ने विस्तार पूर्वक उनकी बात सुन उन्हें उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया और अपनी गाड़ी में बिठवाकर घर छुड़वाया। अनिल सिंह यादव, टीआई जूनी इंदौर ने कहा कि महिला के घर जाकर उनके बेटों को सम्झाइश दी। बेटे ने बात मानकर मां को घर पर रखने पर सहमति दी।

शादी के बहाने महिला से 26.86 लाख ऐंठे, रूस भागने से पहले दबोच लिया

मैट्रिमोनियल साइट पर मुलाकात, 'मर्चेंट नेवी अफसर' निकला ठग

इंदौर। मैट्रिमोनियल वेबसाइट के जरिए शादी का झांसा देकर 26.86 लाख रुपए की ठगी करने वाले शातिर आरोपी को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी खुद को मर्चेंट नेवी का अधिकारी बताकर महिला के संपर्क में आया, प्यार और शादी का भरोसा दिलाया तथा इलाज समेत अलग-अलग बहानों से लाखों रुपये अपने खातों में ट्रांसफर करा लिए। फरारी के दौरान वह रूस भागने की तैयारी में था, लेकिन दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन जांच के दौरान पुलिस के हत्थे चढ़ गया। पुलिस के अनुसार नोएडा निवासी जितेंद्र छोनकर उर्फ जीतू ने जीवनसाथी डॉट कॉम पर फर्जी प्रोफाइल बनाकर महिला से दोस्ती की। बातचीत बढ़ने के बाद उसने शादी का वादा किया और खुद को ब्लड कैंसर से पीड़ित बताते हुए इलाज के नाम पर लगातार पैसों की मांग करता रहा।

विश्वास में आई महिला ने अलग-अलग किश्तों में 26 लाख 86 हजार 500 रुपये आरोपी को भेज दिए। रकम मिलने के बाद आरोपी ने दूरी बना ली और फरार हो गया।

विदेश जाने से रोका

महिला की शिकायत पर इंदौर क्राइम ब्रांच ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। तकनीक साक्ष्यों के आधार पर पुलिस को जानकारी मिली कि आरोपी 27 जून को रूस भागने के लिए दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पहुंचा है। इमिग्रेशन के दौरान उसके खिलाफ दर्ज प्रकरण सामने आने पर उसे रोक लिया गया। सूचना मिलते ही इंदौर पुलिस की टीम दिल्ली पहुंची और ट्रांजिट रिमांड पर आरोपी को इंदौर लेकर आई। एडिशनल डीसीपी अमरेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपी पुलिस रिमांड पर है। उससे पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि उसने इसी तरह कितने अन्य लोगों को अपना शिकार बनाया है और ठगी की रकम का इस्तेमाल कहां किया गया। पुलिस साइबर माध्यम से जुड़े अन्य साक्ष्यों की भी जांच कर रही है।

थाने से हथकड़ी खोलकर भागा तस्कर

इंदौर। द्वारकापुरी थाने से संतरी को चकमा देकर तस्कर हथकड़ी खोलकर भाग निकला। वह एक दिन पहले ही पेश हुआ था। दो माह से वह फरार चल रहा था। आरोपी को पकड़ने टीम रवाना हो गई है। दो माह पहले पुलिस ने अहीरखेड़ी से अरुण नामक युवक को मादक पदार्थ के साथ पकड़ा था। इस दौरान उसका साथी साबिर उर्फ गज्जू पुलिस की नजर बचाकर भाग निकला था। तभी से उसकी तलाश की जा रही थी। साबिर पर तीन अपराध दर्ज है। रविवार को पुलिस ने थाना क्षेत्र के कुख्यात तस्कर चेतन नाथ को ब्राउन शुगर के साथ पकड़ा था। उससे पूछताछ की जा रही है।

सोमवार को रात करीब आठ बजे साबिर का रिश्तेदार थाने पहुंचा था, उसने पुलिस से बात कर साबिर को पेश कराने की बात कही। पुलिस की सहमति मिलने के बाद रिश्तेदार के कहने पर साबिर पेश हो गया। रात को उसने खाना खाया, पुलिस ने उसे चेतन नाथ के साथ हथकड़ी बांधकर बैठा दिया था। मंगलवार सुबह करीब सवा छह बजे वह हथकड़ी खोलकर भाग निकला। मामले की जानकारी लगते ही जोन 4 के डीसीपी सुनील मेहता, सहायक पुलिस आयुक्त शिवेन्दु जोशी, थाना प्रभारी मनीष मिश्रा थाने पहुंचे। इसके बाद अधिकारियों ने आरोपी को पकड़ने टीम गठित कर रवाना किया।

मेघालय हाईकोर्ट ने सोनम की गिरफ़्तारी पर पुलिस की प्रक्रिया पर सवाल उठाए

जिस चेकलिस्ट पर सोनम से हस्ताक्षर कराए, उसमें हत्या का जिक्र नहीं

इंदौर। बहुचर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड में आरोपी सोनम को मिली जमानत के खिलाफ मेघालय हाईकोर्ट ने गिरफ्तारी प्रक्रिया में कई खामियों की ओर इशारा किया है। कोर्ट ने अपने 20 पेज के आदेश में कहा कि गिरफ्तारी के दौरान शिलांग पुलिस ने कानूनी प्रक्रियाओं का ठीक से पालन नहीं किया, जिससे आरोपी के मौलिक अधिकार प्रभावित हुए। 27 अप्रैल 2026 को जिला कोर्ट ने सोनम को जमानत देते हुए माना कि गिरफ्तारी के समय पुलिस ने जरूरी कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं किया। कोर्ट ने यह भी कहा कि सोनम को यह नहीं बताया था कि उसे किस मामले में पकड़ा गया है, जो संविधान के अनुच्छेद 22(1) और बीएनएस की धारा 47(1) के प्रावधानों के विपरीत है। शिलांग पुलिस की जमानत चुनौती याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने गिरफ्तारी के समय तैयार की गई चेकलिस्ट पर टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि जिस चेकलिस्ट पर सोनम से हस्ताक्षर कराए गए, उसमें

राजा की हत्या या उस पर लगे हत्या के आरोप का कहीं भी उल्लेख नहीं था।

हत्याकांड से सीधा संबंध नहीं

इसके बजाय चेक लिस्ट में ऐसे सामान्य सवाल शामिल थे, जिनका इस मामले से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं था। इनमें पूछा गया था कि, क्या वह विदेश में किसी अपराध में शामिल रही है, क्या वह रिहा कैदी है जिसने पता बदलने की सूचना नहीं दी या उसके पास चोरी की संदिग्ध संपत्ति है। हाईकोर्ट ने कहा कि इस तरह की चेक लिस्ट आरोपी को गिरफ्तारी के वास्तविक कारणों की प्रभावी जानकारी देने में विफल रही।

सिर्फ एक दस्तावेज में ही नहीं

सुनवाई के दौरान मेघालय सरकार की ओर से एडवोकेट जनरल अमित कुमार ने दलील दी कि दस्तावेजों में धारा 103(1) की जगह 403(1) लिखा जाना केवल टाइपिंग की त्रुटि थी। हालांकि सोनम के वकील एस थापा ने कहा कि यह गलती सिर्फ एक दस्तावेज तक सीमित नहीं थी। गिरफ्तारी पत्र, चेकलिस्ट, निरीक्षण दस्तावेज और अन्य रिकॉर्ड में भी यही धारा लिखी गई।

गाजीपुर कोर्ट की प्रक्रिया पर सवाल

एडवोकेट अमित कुमार ने बताया कि सोनम को गिरफ्तारी के समय लगे आरोपों की जानकारी थी। गाजीपुर में गिरफ्तारी के बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया था, जहां से ट्रांजिट रिमांड मंजूर हुई। बाद में शिलांग कोर्ट में भी पूछा था कि क्या उसे गिरफ्तारी और आरोपों की जानकारी है, जिस पर उसने सहमति जताई थी। वहीं, बचाव पक्ष ने कहा कि गाजीपुर कोर्ट के आदेश में भी गिरफ्तारी के कारण स्पष्ट दर्ज नहीं किए थे। इसलिए केवल बाद की कार्यवाही का हवाला देकर गिरफ्तारी प्रक्रिया में हुई कानूनी कमियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

बीच सड़क पर बोरिंग से मचा बवाल, गिरधर नगर में विकास या लापरवाही

पार्षद की हठधर्मी पर उठे सवाल, लोगों ने कहा बोरिंग हटाया जाए

इंदौर। शहर के पूर्वी इलाके के वार्ड-50 के गिरधर नगर में बीच सड़क पर नगर निगम की कराई गई बोरिंग ने नया विवाद खड़ा कर दिया। सड़क के बीच बोरिंग की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद स्थानीय रहवासियों ने नगर निगम की कार्यप्रणाली और जनप्रतिनिधियों की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। लोगों का आरोप है कि पार्षद राजीव जैन की पहल पर यह कार्य कराया गया, जिससे सड़क की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है। रहवासियों का कहना है कि जिस स्थान पर बोरिंग की गई है, वहां से प्रतिदिन बड़ी संख्या में दोपहिया और चार पहिया वाहन गुजरते हैं। ऐसे में सड़क के बीच किया गया यह निर्माण भविष्य में किसी बड़े हादसे का कारण बन सकता है। लोगों का सवाल है कि पानी की व्यवस्था के लिए क्या कोई सुरक्षित और वैकल्पिक स्थान उपलब्ध नहीं था। इस मामले में पार्षद राजीव जैन का कहना है कि यह मुख्य सड़क नहीं, बल्कि कॉलोनी की गली है। सड़क के दोनों तरफ ड्रैनेज लाइन होने से सड़क के बीच में बोरिंग करवाया गया। इस बारे में स्थानीय नागरिकों से सहमति ले ली गई थी। लेकिन, लोगों ने सहमति की बात को गलत बताया। यह भी बताया गया कि सड़क के दोनों तरफ कारें खड़ी है और जो फोटो वायरल हुआ, उससे सड़क के चौड़े होने का पता चलता है। मामले की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों ने इसे बिना समुचित योजना के कराया गया कार्य बताते हुए नगर निगम पर सवाल उठाए हैं। स्थानीय नागरिकों ने पूरे मामले की तकनीकी जांच कर जिम्मेदारी तय करने और यदि नियमों का उल्लंघन हुआ है तो संबंधित अधिकारियों एवं जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

मीडियाकर्मी अनवर खान पर 7 दिन में दूसरी शिकायत, धमकी दी गई

एमपीईबी के कार्यपालक निदेशक की शिकायत पर केस दर्ज

इंदौर। शहर में एक मीडियाकर्मी के खिलाफ 7 दिन के भीतर दूसरी एफआईआर दर्ज की गई है। इस बार बाणगंगा थाना पुलिस ने मध्यप्रदेश विद्युत मंडल (एमपीईबी) के कार्यपालक निदेशक शिवलाल करबाडिया की शिकायत पर मीडियाकर्मी अनवर खान समेत 4 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने अनवर खान के भाई सिद्दीक खान, महिला साथी साधना शक्कातव तथा फारुख सिद्दीकी के खिलाफ ब्लैकमेलिंग, धमकी देकर रुपए वसूलने और मानसिक प्रताड़ना सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है।

बाणगंगा थाना प्रभारी सियाराम गुर्जर के अनुसार, शिकायतकर्ता शिवलाल पुत्र दयाराम करबाडिया ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि उनका कार्यालय और निवास पोलोग्राउंड क्षेत्र में स्थित है। शिकायत में कहा गया है कि अनवर खान, साधना शक्कातव, सिद्दीक खान और फारुख सिद्दीकी कई वर्षों से रिपोर्टिंग के सिलसिले में उनके कार्यालय आते-जाते थे। इस दौरान आरोपियों ने विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों से संबंधित भ्रामक खबरें प्रकाशित कर दबाव बनाने का प्रयास किया।

रेप के मामले में फंसाने की धमकी

शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने उन्हें रेप के मामले में फंसाने और जेल भिजवाने की धमकी देकर रुपए की मांग की। एफआईआर में उल्लेख है कि जून 2024 से दिसंबर 2025 के बीच शिकायतकर्ता से करीब 1.5 लाख रुपए वसूले गए। इसके बाद भी लगातार और रकम की मांग की जाती रही, जिससे वे मानसिक रूप से परेशान रहे। शिवलाल करबाडिया ने पुलिस को यह भी बताया कि करीब 4 दिन पहले उन्हें जानकारी मिली कि अनवर खान के खिलाफ बाणगंगा थाने में पहले से ही ब्लैकमेलिंग का एक मामला दर्ज है। इसके बाद उन्होंने भी थाने पहुंचकर अपनी शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अनवर खान, साधना शक्कातव, सिद्दीक खान और फारुख सिद्दीकी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शिकायत में लगाए गए सभी आरोपों और उपलब्ध साक्ष्यों की विस्तृत जांच की जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

इंदौर में निगम की बड़ी कार्रवाई, दो टन प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त

इंदौर। नगर निगम की टीम ने लोहामंडी क्षेत्र में विशेष अभियान चलाकर दो प्रतिष्ठानों से बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक सामग्री जब्त की। दोनों संस्थानों से करीब दो टन सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त कर एक लाख 25 हजार रुपये का स्पॉट फाइन वसूला गया। निगमायुक्त क्षितिज सिंघल ने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक पूरी तरह प्रतिबंधित है। जो भी इसका व्यापार या संग्रहण करेगा, उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ नगर निगम का अभियान लगातार जारी रहेगा। नगर निगम की टीम ने लोहामंडी स्थित वीर ट्रांसपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित प्लास्टिक के चम्मच और डिस्पोजेबल ग्लास जब्त किए। इस प्रतिष्ठान पर एक लाख रुपये का स्पॉट फाइन लगाया गया। इसी तरह दूसरी कार्रवाई अंगद लॉजिस्टिक पर की गई, जहां भी प्रतिबंधित प्लास्टिक सामग्री पाई गई। इस संस्थान पर 25 हजार रुपये का स्पॉट फाइन लगाया गया।

सड़क की धीमी रफ्तार, गड्ढों का राज, कालिंदी मिडटाउन में लोगों का विरोध

जगह-जगह गड्ढे, उड़ती धूल, बरसात में कीचड़, ऊबड़-खाबड़ रास्ता

इंदौर। बायपास के नजदीक देवगुराड़िया पंचायत के तहत आने वाली कालिंदी विंध्या, शिवालिक, नीलगिरी, प्राइड, मानसरोवर और पुष्परतन आदि कई कॉलोनियों के रहवासी पिछले एक साल से अधूरी सड़क के कारण रोज परेशानियों का सामना कर रहे हैं। हालात इतने खराब हो चुके हैं कि अब लोगों का धैर्य जवाब दे गया और उन्होंने सड़क निर्माण में हो रही देरी के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। पानी की समस्या से रहवाशी पहले से ही विकल हो रहे हैं अब सड़क की दशा ऐसी हो गई है कि पैदल चलना भी दूभर हो गया तो पानी के टैंकर कॉलोनी में कैसे आएं। हाल ही में एक टैंकर से पानी लाया जा रहा था। तभी खराब सड़क के कारण ट्रैक्टर आगे निकल गया और पानी से भरा टैंकर पीछे छूट गया। अभी बारिश की शुरुआत हुई है और कभी कार, कभी ऑटो, स्कूटर और डम्पर भी पलट चुके हैं। रहवासियों को सालभर से बहुत दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। रहवासियों का कहना है कि सड़क निर्माण कार्य शुरू होने के बाद उम्मीद जगी थी कि जल्द ही वर्षों पुरानी समस्या खत्म होगी। लेकिन, काम की रफ्तार ऐसी निकली कि सड़क से ज्यादा इंतजार लंबा हो गया। आज स्थिति यह है कि सड़क पर वाहन चलाना किसी खतरे से कम नहीं रह गया है। जगह-जगह गड्ढे, उड़ती धूल, बरसात में कीचड़ और ऊबड़-खाबड़ रास्ते लोगों के लिए रोज की परेशानी बन चुके हैं। सड़क की मांग के प्रदर्शन में कालिन्दी विंध्या के अध्यक्ष राणा प्रदीप सिंह राजवाड़, पूर्व अध्यक्ष जालम सिंह तंवर, सचिव आरएल मीणा, उपाध्यक्ष उमेश द्विवेदी,उपाध्यक्ष अंजना शर्मा सहित बड़ी संख्या में रहवासी शामिल हुए। प्रदर्शन में मुख्य रूप से बीना सिंह, अंजली शर्मा, मीनू सिंह, आस्था अग्रवाल, अदिति आचार्य, गौरव सिंह राठौर, भूपेंद्र सिंह, प्रकाश कानूनगो,अतुल खरे, राम चंद्रन नायर, पीयूष खंडेलवाल, अंकित अग्रवाल, पुष्पेंद्र सिंह, समीर करमबेलकर और संदीप आचार्य समेत कॉलोनी के छोटे छोटे बच्चे तथा कई महिला-पुरुष रहवासी मौजूद रहे। रहवासियों का आरोप है कि पिछले 1 साल से केवल आश्वासन ही मिल रहे हैं, जबकि जमीन पर काम की रफ्तार नजर नहीं आती। बच्चों को स्कूल जाने, बुजुर्गों को आने-जाने और वाहन चालकों को रोज परेशानी झेलनी पड़ रही है। बारिश के दौरान हालात और भी खराब हो जाते हैं, जब सड़क और गड्ढों के बीच फर्क करना मुश्किल हो जाता है।

संपादकीय

कमजोर बारिश ने बढ़ाई चिंता

इस साल मानसून की विलंबित और सुस्त चाल ने किसानों और आर्थिकी की चिंताएं बढ़ा दी हैं। मौसम वैज्ञानिकों ने प्रशांत महासागर में अल नीनो प्रभाव के चलते कमजोर मानसून की चेतावनी पहले ही दे दी थी, लगता है उसका असर अब दिखने लगा है। कुछ पूर्वोत्तर राज्यों को छोड़ दें तो मप्र सहित कई राज्यों में मानसून का अब तक अता पता नहीं है, जबकि जुलाई माह शुरू हो चुका है। इसका सीधा असर खेती पर पड़ रहा है। कृषि मंत्रालय के मुताबिक, जून अंत तक देश में कुल 182.72 लाख हेक्टेयर में खरीफ फसलों की बुवाई हुई है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 236.46 लाख हेक्टेयर से 23 फीसदी कम है। अल-नीनो प्रभाव के कारण दक्षिण-पश्चिम मानसून की चाल सुस्त पड़ने से देश में धान सहित पूरे खरीफ फसलों की बुवाई में 23 फीसदी की कमी आई है। इसके अलावा, कमजोर मानसून के कारण प्रमुख जलाशयों में भी 26 फीसदी पानी ही बचा है। दलहन, तिलहन, मोटे अनाज और कपास की बुवाई भी घटी है। उधर, मौसम विभाग के मुताबिक, एक से 30 जून तक देश में सामान्य 165.3 मिमी के मुकाबले सिर्फ 99.5 मिमी बारिश हुई है। यह सामान्य से 40 फीसदी कम बारिश है। 36 सब-डिवीजन में से 20 फीसदी में सामान्य, 12 फीसदी में ज्यादा, 64 फीसदी में सामान्य से कम और 14 फीसदी में सामान्य से बहुत कम बारिश हुई है। कम बारिश के कारण केंद्रीय जल आयोग की निगरानी वाले 166 प्रमुख जलाशयों में 25 जून तक 48.405 अरब घन मीटर पानी उपलब्ध था, जो उनकी पूर्ण भंडारण क्षमता का सिर्फ 26.37 फीसदी है। यह पिछले वर्ष के स्तर का 73.21 फीसदी और सामान्य स्तर का 105.67 फीसदी है। इनमें से 111 जलाशयों में सामान्य भंडारण का 80 फीसदी से अधिक पानी उपलब्ध था, जबकि 55 में यह 80 फीसदी या उससे कम था। 29 जलाशयों में पानी सामान्य स्तर से 50 फीसदी या उससे भी कम रहा। उत्तर पश्चिमी राज्यों में हालात ज्यादा खराब हैं। अगर पानी नहीं गिरेगा तो खेती प्रभावित होगी ही, पेयजल का भी गंभीर संकट खड़ा होगा। भूजल स्तर बहुत नीचे जाने से उन इलाकों में भी पानी का अकाल होगा, जो बोरिंग के पानी पर निर्भर हैं। इसका एक और दुष्प्रभाव महंगाई के रूप में होगा। सब्जियों के दाम तो अभी से बढ़ने लगे हैं। खेती गड़बड़ाएगी तो पूरी अर्थव्यवस्था पर इसका बुरा असर होगा। हमारी आर्थिकी की रफ्तार घटेगी। वैसे भी पेट्रोल डीजल और गैस की कीमतें बढ़ने से लोग पहले ही मंहगाई से परेशान थे, अब सूखे का संभावित संकट करेला और नीम चढ़ा हो सकता है। खाद्य तेलों के दाम भी जल्द ही बढ़ सकते हैं। हाल में वित्त मंत्रालय द्वारा जारी इकानॉमिक रिव्यू रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय अर्थव्यवस्था फिलहाल मजबूत बुनियाद पर खड़ी है, लेकिन आगे का रास्ता चुनौतीपूर्ण है। वित्त मंत्रालय की ताजा मंथली इकोनॉमिक रिव्यू रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2025-26 के शानदार प्रदर्शन के बाद चालू वित्त वर्ष 2026-27 के शुरुआती महीनों में भी आर्थिक गतिविधियों ने अपनी मजबूती बनाए रखी है। हालांकि, आसमान मानसूनी बारिश, उभरते अल-नीनो के खतरे और वैश्विक अनिश्चितताओं ने अर्थव्यवस्था के भविष्य को लेकर कुछ चिंताएं भी बढ़ा दी हैं। हालांकि मौसम विभाग का यह भी कहना है कि कुछ दूसरे सिस्टम यदि सक्रिय रहे तो बारिश की स्थिति में कुछ सुधार हो सकता है। लेकिन ये दूर की कौड़ी ही है, क्योंकि मप्र जैसे राज्यों में मानसून की ठीक से दस्तक न होने का असर बुवाई पर पड़ रहा है। किसान असंमजस में हैं कि क्या करें। सरकार की ओर से भी इस संभावित संकट से निपटने के लिए कोई ठोस उपाय किए जा रहे हैं, ऐसा नहीं दिखता।

नजरिया

संजय सक्सेना

लेखक लखनऊ निवासी वरिष्ठ पत्रकार हैं।

चंदा चोरी : अपनी-अपनी राजनीतिक चालें

योगी सरकार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 26 जून को मामले में एफआईआर दर्ज कर आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इस घटनाक्रम के दबाव में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्ट सदस्य अनिल मिश्रा ने अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। मुख्यमंत्री योगी ने इस पूरे प्रकरण पर सख्त लहजे में कहा, एसआईटी रिपोर्ट आते ही कार्रवाई शुरू हो गई। हम सच्चाई और झूठ को अलग-अलग कर देंगे। सनातन धर्म के विश्वास के साथ छेड़छाड़ करने वालों को परिणाम भुगतना पड़ेगा। किसी को भी छूट नहीं दी जाएगी। कई सार्वजनिक मंचों से उन्होंने बार-बार यही संदेश दोहराया कि एसआईटी की रिपोर्ट आते ही कार्रवाई शुरू हो गई है और जन आस्था के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, दूध का दूध और पानी का पानी होगा।

अयोध्या के रामलला मंदिर में चढ़ावे और दान की राशि में कथित गड़बड़ी का मामला अब केवल आस्था और आपराधिक जांच का विषय नहीं रह गया, बल्कि यह अगले साल होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले सबसे बड़े राजनीतिक हथियार के रूप में उभरता दिख जरूर रहा है, लेकिन ऐसा हो पायेगा, यह समय बतायेगा। सात जून को समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस मामले को सार्वजनिक करते हुए योगी सरकार पर सीधा हमला बोला था। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा था कि अयोध्या में मंदिर के चढ़ावे को लेकर जो जानकारी सामने आई है, वह गंभीर चिंता का विषय है। इसके साथ ही यह मामला राष्ट्रीय सुर्खियों में आ गया और सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तेजी दिखाते हुए 13 जून को राम मंदिर ट्रस्ट की सिफारिश पर तीन सदस्यों वाली एसआईटी का गठन कर दिया। जांच टीम ने मंदिर परिसर पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज, बैंक रिकॉर्ड और दान गिनने वाले कर्मचारियों से पूछताछ शुरू की। शुरुआती जांच में ही चौंकाने वाले खुलासे सामने आए। करीब 2 करोड़ रुपये नकद, एक कार और तीन आईफोन बरामद होने का दावा किया गया, जबकि कुछ कर्मचारियों से पूछताछ जारी रही। बाद में एसआईटी की 20 पन्नों की रिपोर्ट में और भी गंभीर तथ्य सामने आए। रिपोर्ट के मुताबिक, सीसीटीवी फुटेज में चढ़ावा चोरी की 70 घटनाएं दर्ज हुईं और यह कथित रैकेट पिछले दो से तीन वर्षों से सक्रिय था। जांच में यह भी सामने आया कि मुख्य आरोपी टिन्नू यादव के पास बिना किसी आदेश के हुंडियों की चाबियां मौजूद थीं, और पूछताछ में कुछ सरकारी बैंक कर्मचारियों की संलिप्तता के संकेत भी मिले।

रिपोर्ट आने के बाद योगी सरकार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 26 जून को मामले में एफआईआर दर्ज कर आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इस घटनाक्रम के दबाव में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्ट सदस्य अनिल मिश्रा ने अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। मुख्यमंत्री योगी ने इस पूरे प्रकरण पर सख्त लहजे में कहा, एसआईटी रिपोर्ट आते ही कार्रवाई शुरू हो गई। हम सच्चाई और झूठ को अलग-अलग कर देंगे। सनातन धर्म के विश्वास के साथ छेड़छाड़ करने वालों को परिणाम भुगतना पड़ेगा। किसी को भी छूट नहीं दी जाएगी। कई सार्वजनिक मंचों से उन्होंने बार-बार यही संदेश दोहराया कि एसआईटी की रिपोर्ट आते ही कार्रवाई शुरू हो गई है और जन आस्था के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, दूध का दूध और पानी का पानी होगा। लेकिन सियासी पिच पर यह मामला अब सिर्फ प्रशासनिक कार्रवाई तक सीमित नहीं रहा। अखिलेश यादव के आरोपों के बाद योगी और भाजपा ने भी पलटवार में देर नहीं की। सीएम योगी ने याद दिलाया कि सपा सरकार के दौरान ही थानों और जेलों में जन्माष्टमी मनाने पर रोक लगाई गई थी और कांवड़ यात्रा प्रतिबंधित थी। साथ ही कारसेवकों पर गोली चलाने के अतीत को दोहराकर बीजेपी ने सपा को बैकफुट पर धकेलने की कोशिश की। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, यह त्वरित और कठोर कार्रवाई अखिलेश के उस आरोप की धार कुंद करने की रणनीति है कि सरकार भ्रष्टाचार को संरक्षण दे रही है। देवरिया की एक सभा में सीएम योगी ने और तीखा रुख अपनाते हुए कहा, अयोध्या पर आक्षेप मत करो, प्रभु श्रीराम की मर्यादा का पालन करना सीखो।

इस पूरे विवाद में कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और असदुद्दीन ओवैसी सहित लगभग सभी विपक्षी दल सक्रिय हो गए हैं। आम आदमी पार्टी नेता संजय सिंह ने भी योगी सरकार को घेरते हुए कहा था कि राम मंदिर जैसे आस्था के केंद्र में दान राशि की कथित चोरी बेहद गंभीर मामला है और इसकी निष्पक्ष व पारदर्शी जांच होनी चाहिए, दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। दिल्ली से अरविंद केजरीवाल भी अयोध्या पहुंचे, जिस पर सीएम योगी ने तीखा तंज कसते हुए भाजपा की डबल इंजन सरकार की तुलना आम आदमी पार्टी शासन से कर डाली। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि इस मुद्दे पर हर दल की रणनीति अलग-अलग समीकरणों से जुड़ी है। सपा के लिए यह मामला सॉफ्ट हिन्दुत्व की छवि गढ़ने का मौका है, ताकि हिन्दू मतदाताओं के एक हिस्से को यह संदेश दिया जा सके कि पार्टी आस्था के मुद्दों पर उदासीन नहीं है। लेकिन इसका एक जोखिम भरा पहलू भी है कि अगर यह रणनीति ज्यादा आक्रामक हुई, तो पार्टी के परंपरागत मुस्लिम वोट बैंक में भ्रम की स्थिति बन सकती है, खासकर तब, जब असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी भी उत्तर प्रदेश के मुस्लिम मतदाताओं में अपनी पैठ बढ़ाने की कोशिश में जुटी है। कांग्रेस के लिए यह मामला भाजपा शासित राज्य में भ्रष्टाचार के आरोप को उठाने और राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में बने रहने का एक अवसर भर है, जिसका सीधा चुनावी आधार उत्तर प्रदेश में उतना मजबूत नहीं माना जाता। दूसरी ओर, भाजपा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की रणनीति साफ नजर आती है। जांच में तेजी दिखाकर और कड़ी कार्रवाई करके यह संदेश देना कि सरकार आस्था के मुद्दों पर किसी को बख्शने वाली नहीं है, और साथ ही विपक्षी दलों के पुराने इतिहास को उभारकर बहस की दिशा मोड़ना। मथुरा और लोहिया जैसे प्रतीकों का इस्तेमाल करके बीजेपी ने मंडल के साथ कमंडल की राजनीति को भी साधना शुरू कर दिया है।

कुल मिलाकर, अयोध्या का यह प्रकरण अब केवल एक आपराधिक जांच नहीं, बल्कि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले आस्था, पहचान और जातीय समीकरणों की एक बड़ी सियासी लड़ाई का केंद्र बिंदु बन चुका है, जिसका असर आने वाले महीनों में और गहराता दिख सकता है।

राम मंदिर : सात्विकता, सुशासन और सनातन की अग्निपरीक्षा

सामयिक

सपना सी.पी. साहू 'स्वप्निल'

लेखक पत्रकार हैं।

अयोध्या धाम में प्रभु श्री राम के भव्य मंदिर का निर्माण केवल शिल्पकला का दर्शन नहीं, बल्कि करोड़ों सनातनियों की सदियों पुरानी अगाध आस्था, तप और संकल्प की पूर्णाहुति है। इस पावन काज में देश-विदेश के रामभक्तों ने अपनी गाढ़ी कमाई का अंश समर्पित किया है। ऐसे में, यदि मंदिर परिसर या दान राशि के प्रबंधन में किसी भी स्तर पर कोई विसंगति या मानवीय भूलसामने आती है, तो सनातनी समाज का उद्वेलित होना स्वाभाविक है। किंतु, इस संवेदनशील घटनाक्रम पर जिस प्रकार की विपक्ष की राजनीति शुरू हुई है, उसने एक बार फिर साबित किया है कि देश के विरोधी दलों के लिए जन-आस्था केवल चुनावी लाभ-हानि का जरिया मात्र है। देखा जाए तो इस पूरे प्रकरण में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनकी सरकार का तरीका अत्यंत सराहनीय और अनुकरणीय रहा है। मुख्यमंत्री ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि दूध का दूध और पानी का पानी होकर रहेगा। सरकार ने केवल बातें नहीं की, बल्कि त्वरित कार्रवाई से जीरो टॉलरेंस की नीति को धरातल पर उतार कर दिखाया। जैसे ही 5 जून को मामला सामने आया, सरकार ने 13 जून को एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन करदिया। इस जांच दल ने बिना किसी दबाव के, पूरी निष्पक्षता से मात्र 10 दिनों में ही अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी। इसका ही परिणाम है कि 24 घंटे के भीतर प्राथमिकी दर्ज कर, आठ मुख्य आरोपियों को सलाखों के पीछे भेज दिया गया है और बाकी संदिग्धों से भी कड़ी पूछताछ जारी है। यह इस बात का सीधा प्रमाण है कि वर्तमान योगी शासन तंत्र में चाहे कोई कितना भी रसूखदार क्यों न हो, प्रभु राम के काज में और सनातन की सात्विकता के साथ खिलवाड़ करने वाले को छोड़ा नहीं जाएगा। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे गरिमामय पक्ष श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वरिष्ठ पदाधिकारियों, चंपत राय जी और अनिल मिश्रा जी का निर्णय रहा। इन दोनों विभूतियों ने अपना संपूर्ण जीवन राम काज और सनातन धर्म की सेवा में समर्पित कर दिया है। विशेषकर चंपत राय जी के उस संघर्ष को देश कभी नहीं भूल सकता, जिन्होंने बिना रुके, बिना थके पत्थरों की नक्काशी से लेकर अदालती दस्तावेजों को सहेजने तक, मंदिर निर्माण के हर मोर्चे पर एक सच्चे सेनापति की तरह काम किया। जन-जन उन्हें आदर से राम जी का पटवारी कहता है। जब जांच की बात आई, तो उन्होंने भारतीय लोक-मर्यादा की श्रेष्ठ परंपरा का निर्वहन करते हुए अपने पदों से त्यागपत्र दे दिया। उनका यह इस्तीफा किसी दोष की स्वीकारोक्ति नहीं, बल्कि नैतिक जिम्मेदारी का वह उत्कृष्ट उदाहरण है जो त्रेतायुग की न्यायप्रियता की झलक है। उन्होंने पद इसलिए छोड़ा ताकि जांच प्रक्रिया पूरी तरह स्वतंत्र, निष्पक्ष और बिना किसी प्रभाव के पूरी हो सके। ऐसे तपस्वी व्यक्तित्वों पर राजनीतिक लाभ के लिए कीचड़ उछालना, उनकी जीवनभर की तपस्या का अपमान करना है। दूसरी ओर, विरोधी दलों का रवैया हमेशा की तरह निराशाजनक और सनातन विरोधी ही है। इतिहास गवाह है कि यह वही विपक्ष है जिसने सुप्रीम कोर्ट में राम मंदिर के अस्तित्व को नकारने के लिए वकीलों की भारी-भरकम फौज खड़ी कर दी थी, रामभक्तों पर गोलियां चलवाई थीं, कदम-कदम पर रोड़े अटकाए और राम जी का निमंत्रण सिरे से खारिज किया था। आज वही लोग अचानक दान की पारदर्शिता के सबसे बड़े पैरोकार बनने का ढोंग कर रहे हैं। वास्तव में, विपक्ष को इस संवेदनशील मामले में कोई जनहित या आस्था की चिंता नहीं है; उन्हें तो बस आगामी चुनावों में भुनाने के लिए एक राजनीतिक मुद्दा मिल गया है। इनका असली एजेंडा सनातनी समाज की उस अटूट एकता को भंग करना है, जो मंदिर निर्माण के बाद अभूर्व रूप से सुदृढ़ हुई है। वे भ्रामक आंकड़े फैलाकर और श्रद्धालुओं के मन में संशय के बीज बोकर इस सांस्कृतिक पुनर्जागरण को कमजोर करना चाहते हैं। देश की जनता को यह समझना होगा कि जो दल कभी सनातन को मिटाने की बात करने वालों के साथ खड़े होते हैं, उनकी सहानुभूति केवल एक छलावा और नया चुनावी पैंतरा मात्र है। स्मरण रखना होगा कि आज का दौर केवल जमीनी राजनीति का नहीं, बल्कि सूचना युद्ध (इन्फॉर्मेशन वॉर) का भी है। ऐसे समय में प्रत्येक सनातनी का यह परम कर्तव्य है कि वह सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही अफवाहों से पहले विवेक का उपयोग करे। किसी भी अपुष्ट या सनसनीखेज खबर को बिना जांचे आगे फॉरवर्ड न करें, क्योंकि यह श्री राम मंदिर की वैश्विक छवि को धूमिल करने का एक सोचा-समझा प्रयास भी हो सकता है। हमें केवल श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट और सरकारी जांच एजेंसियों के आधिकारिक बयानों व तथ्यों पर ही विश्वास करना चाहिए। यहाँ कहने का अर्थ यह नहीं कि चढ़ावे में हुई किसी गड़बड़ी पर हम आंखें मूंद लें, बल्कि हमारी डिजिटल सतर्कता ही विरोधियों के दुष्प्रचार को ध्वस्त करेगी। उत्तर प्रदेश सरकार ने दोषियों को पकड़कर अपना काम पूरी निष्पक्षता से किया है, लेकिन भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए प्रशासनिक और तकनीकी स्तर पर कुछ कड़े कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। मंदिर को मिलने वाले हर छोटे-बड़े दान का ब्लॉकचेन या अत्याधुनिक रीयल-टाइम डिजिटल ऑडिट होना चाहिए, ताकि संपूर्ण वित्तीय लेखा-जोखा एक पारदर्शी और सुरक्षित प्रणाली के तहत रहे। इसके साथ ही, मंदिर परिसर और सुरक्षा घेरे में अत्याधुनिक सीसीटीवी कैमरे, बायोमेट्रिक एक्सेस और एआई-संचालित सुरक्षा उपकरणों का प्रयोग अनिवार्य किया जाए, जिससे किसी भी मानवीय चूक की गुंजाइश शेष न बचे। ट्रस्ट के दैनिक कार्यों और वित्तीय लेन-देन की समय-समय पर समीक्षा के लिए तिरुपति, सांवरिया सेठ या वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड की तर्ज पर देश के शीर्ष व ईमानदार प्रशासनिक अधिकारियों या सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की एक उच्च स्तरीय निगरानी समिति भी बनाई जा सकती है, जो इस व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ करे। प्रभु श्री राम का मंदिर भारत की आत्मा और हमारी राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक है। इसकी नींव हमारे पुरखों के सदियों के संघर्ष और करोड़ों भक्तों के अटूट विश्वास पर टिकी है। योगी सरकार की कड़ी और पारदर्शी कार्रवाई ने यह सुनिश्चित कर दिया है कि न्याय होकर रहेगा। अब यह प्रत्येक सनातनी का कर्तव्य है कि वह राजनीतिक गिद्धों की अफवाहों पर ध्यान न देकर व्यवस्था पर भरोसा रखे। हमारी एकजुटता ही उन ताकतों को सबसे करारा जवाब होगी जो आस्था के बहाने सनातनियों को बांटना चाहती हैं; क्योंकि सत्य परेशान हो सकता है, पर पराजित नहीं।

संस्मरण

श्याम बोहरे

लेखक सामाजिक कार्यकर्ता हैं।

और छात्र ने प्रोफेसर को पास कर दिया

पटना रेडियो स्टेशन से लाइव कार्यक्रम में एक बच्चे ने कविता सुनाने की इच्छा व्यक्त की। अनुमति मिलने पर उसने सुनाया कि गली गली में शोर है राजीव गांधी चोर है। सागर विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग की प्रवेश परीक्षा में सवाल पूछा गया कि 'गली गली में शोर है राजीव गांधी चोर है' किस रेडियो स्टेशन से प्रसारित हुआ था? इस सवाल पर सागर के युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हंगामा कर दिया। पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर प्रदीप कृष्णात्रे का मुंह काला करके विश्वविद्यालय परिसर में घुमाया। प्रोफेसर कृष्णात्रे को हटाने की मांग होने लगी। राजनीति गरमाई तो कोई भला पीछे क्यों रहता? एक तरफ कांग्रेस के नेता, विधायक, मंत्री सभी बढ़चढ़ कर प्रोफेसर को हटाने के लिए बयानबाजी कर दबाव बनाने लगे तो दूसरी ओर प्रोफेसर प्रदीप कृष्णात्रे को बचाने के लिए भी माहौल बना। हमारा सवाल था कि किसी प्रोफेसर ने यदि गल्ती की है तो उसका फैसला विश्वविद्यालय का अकादमिक समुदाय करेगा या राजनीतिक दल के सदस्य? अखबारों में लेख, बयानबाजी, ज्ञापन आदि जो संभव था पक्ष और विपक्ष में वह सब हो रहा था।

उस समय मैं ग्रामीण विकास और शिक्षा के लिए काम कर रही स्वैच्छिक संस्था किशोर भारती में काम कर रहा था। मैंने भी अखबारों में लेख लिखे ज्ञापन भेजे। देश के बुद्धिजीवियों, शिक्षाविदों, प्रशासकों, राजनेताओं, पत्रकारों, शैक्षिक संस्थाओं को शिक्षाविद अनिल सदगोपाल सहित कुछ प्रभावशाली व्यक्तियों के हस्ताक्षर वाला पत्र भेजा। प्रसिद्ध समाजशास्त्री प्रोफेसर श्यामाचरण दुबे को मैं सागर विश्वविद्यालय में अपने छात्र जीवन से जानता था।

प्रोफेसर दुबे मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा अनुदान आयोग के अध्यक्ष थे। अपने अकादमिक योगदान की वजह से प्रोफेसर दुबे बहुत प्रभावशाली रहे हैं, यह जानते हुए मैंने उन्हें व्यक्तिगत पत्र में लिखा कि आप मुझे शायद याद न कर पायें लेकिन मैं आपको प्रगतिशील,

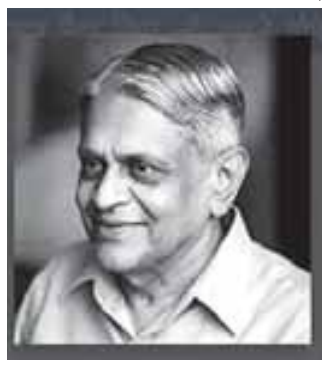

न्यायप्रिय और साहसी विद्ववान के रुप में जानता रहा हूं। इसी रुप में आज भी जानना चाहता हूं। बशर्ते तय करो किस ओर हो तुम, मुक्तिबोध की यह पंक्ति आपने ही हमें बताई थी, वही आपको याद दिलाना चाहता हूं। आप छात्रों की परीक्षा तो लेते ही रहे हैं, आज एक छात्र आपकी परीक्षा ले रहा है। सवाल यह है कि इस समय आप सरकार द्वारा दिए गए राज्यमंत्री पद, बड़ बंगले,लालबत्ती की गाड़ी एवं अन्य सुविधाओं के रहते किस ओर खड़े होंगे? आप एक शिक्षक के पक्ष में होंगे या उपलब्ध सुविधाओं के कारण मध्यम वर्ग के सदस्यों और डरे हुए बुद्धिजीवियों की तरह सुविधाजनक चुप्पी साध लेंगे? मैं उम्मीद करना चाहूंगा कि आप यह परीक्षा पास कर लेंगे। पत्र का उत्तर नहीं मिलने से कुछ निराश हुआ और भूल गया। कुछ दिनों बाद दिल्ली के मित्रों से जानकारी मिली कि प्रोफेसर श्यामाचरण दुबे ने मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह को पत्र लिखकर कहा कि यदि शिक्षक को तनिक भी आंच आई तो आप मुझे सड़क पर खड़ा पाएंगे।

दुबे जी ने मुख्यमंत्री को ऐसा लिखा यह जानकर आभार व्यक्त करते हुए संक्षिप्त पत्र लिखकर उन्हें बताया कि सर आप परीक्षा में पास हो गए हैं। आपकी व्यस्तता के कारण आपसे मुलाकात नहीं हो पाती, लेकिन परीक्षा पास करके आप और भी नजदीक आ गए हैं। इस पत्र का उत्तर देते हुए दुबे जी ने बहुत प्यार से याद करते हुए लिखा कि तुम्हारे पहले पत्र के उत्तर में लिखने को कुछ था नहीं। कुछ करना था सो जो उचित था वह किया। इस बात की बहुत खुशी है, कि तुमने मेरी परीक्षा ली और मुझे पास कर दिया। शिक्षक के लिए यह संतोष की बात है, कि वह अपने छात्र की परीक्षा में पास हुआ। मुझे यह भी खुशी है कि सागर विश्वविद्यालय का मेरा छात्र किशोर भारती जैसी संस्था में काम कर रहा है। इसी तरह सार्थक काम करते रहो मेरी शुभकामनायें।

बात आई-गई हो गई। लगभग चार साल बाद प्रशासन अकादमी भोपाल में एक सेमीनार में प्रोफेसर दुबे जी से मुलाकात हुई। दुबे जी ने कहा, श्याम उस मामले में अर्जुन सिंह जी नाराज हो गए। मैंने मुंह बिचकाते हुए कहा, बेचारे मुख्यमंत्री। पास ही खड़े भारत सरकार के योजना आयोग के सचिव एनसी सक्सेना ने जानना चाहा कि मैं कौन हूं? दुबे जी ने बताया कि श्याम, मेरे सागर के छात्र हैं, इनने इस बुढ़ापे में मेरी परीक्षा ले डाली, गनीमत है कि इन्होंने मुझे पास कर दिया वरना बुढ़ापा खराब हो जाता। मुझे और सागर विश्वविद्यालय के लिए यह संतोष की बात है कि ऐसे छात्र पैदा किए जो अपने प्रोफेसर की परीक्षा लेने से नहीं चूकते।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग, 16, अल्फा इंडस्ट्रीयल पार्क, जाखिया, इंदौर, म.प्र.-453555 से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

अख़्तर अली

लेखक व्यंग्यकार हैं।

अलाने मियां और फ़लाने मियां

अलाने मियां ने उसी तरह झूमते हुए कहा – बेरादर खुशी की वजह है मौसम। कल लू की गर्म लपटें चल रही थीं आज ठंडी हवा है। जो जून था वह जुलाई हो गया है। हर जून को एक दिन जुलाई हो जाना है। जुलाई ने आते ही जून की सारी गर्मी निकाल दी। तभी तो कहते हैं कि ऊपर वाले के यहां देर है अंधेर नहीं। उस पर भरोसा रखो अगर उसने अप्रैल के बाद मई दिया है तो वही जून के बाद जुलाई देता है। फ़लाने मियां ने कहा : लाहौल विलाकूवत। इसमें इतना खुश क्यों होना? बरखुरदार सिर्फ़ मौसम बदला है माहौल नहीं बदला। लू खत्म हुई है लूट नहीं। आखिर मौसम बदलने में तुम्हारी क्या भूमिका है जो इतना इतरा रहे हो?

कबयक लोगों के चेहरे पर सुकून नज़र आने लगा। मुरझाएं चेहरे खिल उठे। रोने जैसे हालात में भी आदमी मुस्कुरा उठा जानते हैं क्यों? क्योंकि तापमान जो कम हो गया है। तापमान अंदर का हो या बाहर का बढ़ता है तो सताता है। जून का जुलाई हो जाना अद्भुत घटना है। जून के बाद जुलाई का आना रमज़ान के बाद ईद के आने के तरह है। अलाने मियां को खुशी में झूमते हुए देख फ़लाने मियां ने टोका। अलाने मियां का कोई काम फ़लाने मियां को पसंद नही आता है। दोनों एक दूसरे के घोर विरोधी है वह भी इस हद तक कि यदि एक कहे दो और दो चार होते हैं तो दूसरा इस बात पर सहमत नही होता। अलाने मियां की सरकार हो तो फ़लाने मियां विपक्ष के नेता होते हैं। समाज में हर अलाने मियां के पीछे एक फ़लाने मियां पड़े हुए है। यह दुनियां कभी भी अलाने मियां और फ़लाने मियां से ख़ाली नहीं रहती है।

अलाने मियां गर्मी से परेशान थे जैसे ही मौसम बदला अलाने मियां खुशी से उछलने लगे। उन्हें उछलता देख फ़लाने मियां ने जो पान अभी अभी मुंह में रखा था ज़मीन पर थूक दिया। उनका मन तो अलाने मियां के मुंह पर थूकने का हो रहा था लेकिन उन्होंने खुद पर नियंत्रण किया और अपनी छड़ी नचाते हुए पूछा - अमा यार इतना उछल क्यों रहे हो?

अलाने मियां ने उसी तरह झूमते हुए कहा - बेरादर खुशी की वजह है मौसम। कल लू की गर्म लपटें चल रही थीं आज ठंडी हवा है। जो जून था वह जुलाई हो गया है। हर जून को एक दिन जुलाई हो जाना है। जुलाई ने आते ही जून की सारी गर्मी निकाल दी। तभी तो कहते हैं कि ऊपर वाले के यहां देर है अंधेर नहीं। उस पर भरोसा रखो अगर उसने अप्रेल के बाद मई दिया है तो वही जून के बाद जुलाई देता है।

फ़लाने मियां ने कहा - लाहौल विलाकूवत। इसमें इतना खुश क्यों होना? बरखुरदार सिर्फ़ मौसम बदला है माहौल नहीं बदला। लू खत्म हुई है लूट नहीं। आखिर मौसम बदलने में तुम्हारी क्या भूमिका है जो इतना इतरा रहे हो? तुम मौसम तो नहीं बदल सकते लेकिन मेरी जान तुम माहौल बदल सकते हो। माहौल बदलने में अपनी भूमिका तय करो। दुनियां के जितने भी अलाने मियां है वे चाहे किसी भी देश के हो अपने अपने फ़लाने मियां के किसी भी विरोध को कभी महत्व नही देते हैं। आसानी से उन्हें देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त साबित कर जेल में डाल दिया जाता है।

अलाने मियां ने कहा - भीषण तपन के बाद पानी बरसने के आसार नज़र आ रहे हैं।

पानी बरसने का सुन फ़लाने मियां बरस पड़े। तुम्हे मालूम है आज भी हज़ारों घरों तक पानी नही पंहुचा है। उन घरों के सामने गंदे पानी का जमाव है, नाले का पानी घर में आ गया पर पीने का पानी नहीं आ सका। पानी के इंतज़ार में उनकी आंखों में पानी आ गया लेकिन नलों में पानी नहीं आया। अफ़सोस की बात है कि तुम बादलों की तरफ़ देख झूमते हुए पानी-पानी कर रहे हो जबकि तुम्हे तो शर्म से पानी पानी हो जाना चाहिए था। अलाने मियां तो जैसे फ़लाने मियां की बात सुन ही नहीं रहे थे। सुन रहे होते तो आज दुनियां की कितनी ही दिक्कतें पैदा ही नही होती और कितनी ही समस्याएं सुलझ गई होती। अलाने मियां तो मदमस्त हो गये थे उन्होंने झूमते हुए कहा- अहा देखो तो बादल गरज रहे हैं।

गरजने की बात पर फ़लाने मियां गरजे - बादल तो गरज रहे हैं पर तुम कब गरजोगे? गरजने के हालात बने हुए है। गरजने के दिनों में नही गरजोगे तो फिर कभी नही गरज सकोगे। उफ़ ये तुम्हारी नपुसंक चुप्पी। अपनी कीमत नही समझोगे तो दो कौड़ी के करार दिये जाओगे। अलाने मियां ने तो जैसे कुछ सुना ही नही। उन्होंने अपनी बात जारी रखते हुए कहा - बस एक दिक्कत है अब चारो और कीचड़ कीचड़ हो जायेगा। फ़लाने मियां का पारा अब सातवे आसमान पर था। उन्होंने कहा - अरे ओ जाहिल तेरे को सड़क के कीचड़ की इतनी चिंता है और सिस्टम में जो कीचड़ भरा हुआ है उसका ज़रा भी ख्याल नही। दिमागों में जो कीचड़ जमा हुआ है उसकी सफ़ाई की फ़िक्र कर। याद रख जो आदमी समाज, देश और दुनियां के प्रति अपनी जवाबदारी तय नहीं करेगा, उस पर अमल नहीं करेगा तो - उसकी दास्तां तक न होगी दास्तानों में।

वक्रोक्ति

सुधीर मोता

लेखक साहित्यकार हैं।

जब मुझ समस्या प्रधान नागरिक को जागरूकता दिखाने का अवसर मिला

आज इस कार ने प्रतिदिन के मेरे कवि मानस की प्रकृति को लक्ष्य करते हुए मनोमन ताना बाना बुनने की बजाय कुछ अलग कल्पनाओं की ओर मोड़ दिया है। कल्पना क्रमांक एक: पीछे से तेज़ आती गाड़ी को मैं उसकी अधीराई लक्ष्य करते हुए जगह दे देता हूं। उस पर बेहद मोटे अक्षरों में मालिक का पद नाम लिखा है। इतने मोटे कि नब्बे साल का व्यक्ति भी बिना चश्मे के सौ मीटर दूर से पढ़ ले। मुझे अंदर ही अंदर एक खीझ भरी हंसी आ जाती है। हँसी और खीझ एक साथ इसलिये कि गाड़ी मालिक ने मुझ पर संदेह किया। उसे लगा कि पक्का ही छोटे अक्षरों में इसे समझ नहीं आयेगी। बड़े में लिखा। दो-दो बार लिखा। आगे लिखा, पीछे लिखा। फिर उसे और शक हुआ तो विस्तार से अपने पद का विवरण भी लिखा। आप उत्सुक होंगे कि वह पद क्या था और वह व्यक्ति कौन। आप यह भी सोच रहे होंगे कि हम डरते हैं कि वे नाराज़ ना हो जायें। तो हम बता दें कि हमें आपकी क्षमता और बुद्धि पर पूरा भरोसा है कि आप समझ ही जायेंगे इत्ते से में, इसलिये नहीं बता रहे। डर हओ। हम डरे, पर इस बात से कि नाम और पद लिख देने से बहुत छोटी रेंज हो जायेगी हमारी बात की। उस व्यक्ति का नाम और पद आपकी सुविधा के लिये नहीं लिख रहे कि आप रोज वहां अपने अनुभव अनुसार फिल इन दी ब्लेंक करते रहो। समझदार आप हैं ही।

मैं सुबह की सैर पर हूं। एक बड़ी सी गाड़ी मेरे पीछे आ रही है, मुझे उसके हार्न बजाने की अधीरता से समझ आ जाता है कि वह किसी वीआईपी की गाड़ी है। आप इसे घमंड ना माने कि मुझे गाड़ियों के स्वभाव पढ़ने में महारत हासिल है। आप अपना अध्ययन करें तो आप में भी यह कला कुछ ना कुछ तो होगी ही। जैसे गाड़ी सामने से आ रही हो तो उसके मेक और कंपनी नाम के साथ उसकी चाल से पता चल जाता है कि उसका मालिक किस श्रेणी का है। पीछे से आ रही गाड़ी के बारे में भी उसके निकट आते आते और सर्र से आगे निकल जाते समय सब कुछ समझ आ जाता है। विस्तार में जाने की जरूरत नहीं है, आप स्वयं समझ चुके होंगे कि ये श्रेणियां कौन-कौन सी हैं।

हर दिन, एक न एक भारी-सी गाड़ी जो प्रायः भरपूर काले या झक सफेद रंग की एकदम आपके ऊपर चढ़ती चली आये और आप आतंकित हो कर हट जायें और उसे जगह दे दें, आपको अक्सर मिलती है। गाड़ियों में विनम्र किस्म की भी होती हैं। गरीब गाड़ियां भी होती हैं। हालात की मारी भी। क्रूर पतियों की पत्नियों जैसी भी होती हैं। कुछ गाड़ियां देखते से ही अपने सौंदर्य के प्रति जागरूक सलीकेदार महिला जैसी लगती हैं। कुछ गाड़ी ब्रांड तो ऐसे हैं जिन्हें किसी खास पद पर आते ही उस व्यक्ति द्वारा उसे खरीद लेना सबसे पहला काम होता है। जैसे कोई साधारण परिवार की महिला किसी धनिक से ब्याही जाये तो उसके पहनावे में कांजीवरम जैसी किस्म की साड़ियां और भारी हीरे जवाहरात का शामिल होना कुछ अधिक ही अनिवार्य होता है।

आज इस कार ने प्रतिदिन के मेरे कवि मानस की प्रकृति को लक्ष्य करते हुए मनोमन ताना बाना बुनने की बजाय कुछ अलग कल्पनाओं की ओर मोड़ दिया है। कल्पना क्रमांक एकः पीछे से तेज़ आती गाड़ी को मैं उसकी अधीराई लक्ष्य करते हुए जगह दे देता हूं। उस पर बेहद मोटे अक्षरों में मालिक का पद नाम लिखा है। इतने मोटे कि नब्बे साल का व्यक्ति भी बिना चश्मे के सौ मीटर दूर से पढ़ ले। मुझे अंदर ही अंदर एक खीझ भरी हंसी आ जाती है। हँसी और खीझ एक साथ इसलिये कि गाड़ी मालिक ने मुझ पर संदेह किया। उसे लगा कि पक्का ही छोटे अक्षरों में इसे समझ नहीं आयेगी। बड़े में लिखा। दो-दो बार लिखा। आगे लिखा, पीछे लिखा। फिर उसे और शक हुआ तो विस्तार से अपने पद का विवरण भी लिखा। आप उत्सुक होंगे कि वह पद क्या था और वह व्यक्ति कौन। आप यह भी सोच रहे होंगे कि हम डरते हैं कि वे नाराज़ ना हो जायें। तो हम बता दें कि हमें आपकी क्षमता और बुद्धि पर पूरा भरोसा है कि आप समझ ही जायेंगे इत्ते से में, इसलिये नहीं बता रहे। डर हओ। हम डरे, पर इस बात से कि नाम और पद लिख देने से बहुत छोटी रेंज हो जायेगी हमारी बात की। उस व्यक्ति का नाम और पद आपकी सुविधा के लिये नहीं लिख रहे कि आप रोज वहां अपने अनुभव अनुसार फिल इन दी ब्लेंक करते रहो। समझदार आप हैं ही।

अब आगे आते हैं। मैं जा कर देखता हूं कि वह गाड़ी एक जगह पार्क की हुई है। वे सज्जन उतर चुके हैं। दो हथियारबंद सेवक आगे पीछे चल रहे हैं। मैं अपनी गति बढ़ाते हुए उनके निकट पहुंच जाता हूं। मुझे लगता है मुझ समस्या प्रधान नागरिक को अपनी जागरूकता दिखाने का यह अच्छा अवसर मिला है। आप इसे खुजाल मिटाना भी कह सकते हैं। मैं उन्हें नमस्कार करता हूं और साथ-साथ चलने लगता हूं। सर अच्छा हुआ आज आप मिल गये मैं अपने शहर की कुछ समस्याओं की ओर आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं। यहां से हवाई सुविधायें बहुत कम हैं। सड़कों पर गड्ढे ठीक नहीं हो पा रहे हैं। पेड़ काटे जा रहे हैं। वगैरह। मुझे जल्दी में ये ही बातें ध्यान में आईं सो कहता गया। उनका सहायक आगे आ कर मुझे रोकता है। आप हैं कौन और यह कोई जगह है इस तरह की बातें करने की। आप चिट्ठी लिखिये, आ कर मिलिये। आपकी बात सुनी जायेगी।

मैंने उसकी बात सुनते हुए भी साहब की ही तरफ मुंह रखा- चिट्ठी का जवाब नहीं मिलता। आपसे मिलने आने की जरूरत इसलिये नहीं कि आप को यह सब पहले से ही पता है। आप मेरे शहर में अक्सर आते हैं अपने किसी निकट रिश्तेदार के पास। और हर बार अपने गृह नगर से दो फ्लाइट बदलते हुए। आप को पता ही है कि इस शहर में गिनी चुनी हवाई सेवायें ही हैं और उसकी जरूरत आप स्वयं अनुभव करते हैं। गड्ढे तो आपको

स्वयं भी हवाई अड्डे से आते समय पता चलते ही होंगे। जब उस सड़क का यह हाल है तो अंदरूनी में क्या होगा। वे साहब कुपित हो चले। आप बदतमीजी कर रहे हैं। मैं और मुखर होता हूं। एक प्रश्न पूछ सकता हूं? और पूछ भी लेता हूं। आपकी गाड़ी पर इतने बड़े अक्षरों में आपका पद इसलिये ही तो लिखा है ना कि आमजन आपसे सीधे बात कर सके और फरियाद भी। एक डॉक्टर की गाड़ी पर लाल क्रास इसलिये ही तो होता है कि आपात समय में उसकी सेवायें ली जा सकें। और आपकी गाड़ी पर भी इसीलिये तो लिखा होगा कि आपसे बात की जा सके। आप मेरी बात सुनिये अभी तो मैंने कहना शुरू ही किया है, सर।

साहब का सहायक और गार्ड मुझे खींचते हैं और फटकारते हुए कहते हैं कि तुम कोई आतंकवादी भी तो हो सकते हो। मैं फिर ढीठ होता हूं और कहता हूं गाड़ी पर बड़े अक्षरों में लिख कर तो आप स्वयं ही उन्हें बता रहे हो कि आप निशाने लायक शख्स हो। मैं जोश में आ जाता हूं, कहता हूं- सर, सीधी बात यह है कि आप सिर्फ अपने अहं की तुष्टि के लिये गाड़ी पर ये विवरण लिखवाते हैं। इससे यह भी पता चलता है कि आपको आपकी बिसात से कुछ ज्यादा ही मिल गया है, और यह आप को स्वयं ही लगता है। हो सकता है अपने विरोधियों को जलाने के लिये आप ऐसा करते हों पर मैं यही मानता हूं कि आपने गाड़ी पर यह इसलिये लिखवा रखा है कि आम जनता आप से सहजता से मिल कर अपनी तकलीफ बता सके। मैं समस्याओं के निराकरण के प्रति आशावाद रखते हुये प्रतीक्षा कर रहा हूं।

प्रिय पाठक, यह भाग यहीं छोड़ कर अगली काल्पनिकता पर आता हूं। कल्पना क्रमांक 2वे साहब मेरी ओर आदर से देखते हैं। मेरा नाम पूछते हैं। दखल देने को आतुर अपने सहायकों को वे इशारे से रोक देते हैं। मेरी बात सुन कर अपने सहायकों में से एक को सारी बातें नोट करने के लिये कहते हैं। मेरा पता और फोन नंबर नोट कर लिया जाता है। इतना ही नहीं वे मुझे नाश्ते के लिये अपने स्थानीय सरकारी आवास पर आमंत्रित भी करते हैं। मैं मना करते हुए इतना ही कहता हूं कि सर आप अगली बार जब यहां आयें तो सीधी हवाई सेवा से आ सकें और इस शहर के लोग उपेक्षित ना रहें। रास्ते मैं गड्ढे ना मिले। ऐसा हो जाये। मैं आपके निजी फोन पर जन समस्याओं पर बात कर सकूं ऐसा हो जाये। ये सब हो जायेगा तो ही सर मैं चाहूंगा आप मेरे घर आकर मेरे साथ चाय पियें। मैं आप पाठकों को बता देना चाहता हूं कि मैंने उस मुलाकात के एक महीने में साहब के साथ अपने ही घर चाय पी।

कल्पना क्रमांक एक में यह हुआ था कि मुझे पुलिस गाड़ी में बिठा कर निकट के थाने में ले जाया गया और वहां मुझे देर तक पूछताछ के बाद कवि होने और सफेद बालों की बिना पर छोड़ दिया गया। इन कल्पनाओं के सार्वजनिक होने की कल्पना के बाद यह कल्पना करता हूं कि इतना प्रचार हो गया कि अब गाड़ियों पर पद नाम लिखा जाना कम होता जा रहा है। गाड़ियां बेचारी अहंकारी न पहले थीं ना अब। कल्पना क्रमांक दो में यह जोड़ा जा सकता है कि जनसेवक आम आदमी की तरह भ्रमण करने लगे और उनसे उन्मुख होने लगे, ताकि यथार्थ का पता लग सके।

बातें तो कई हैं पर फिलहाल कविता की ओर लौटना चाहिये प्रकृति और पर्यावरण में नियंता की सजगता सूझबूझ और त्वरा इतनी प्रभावी है कि देखते ही बनता है। प्रकृति ने तो अपने किसी भी प्रतिनिधि को अपना नाम और पद लिखने जितना अधिकार नहीं दिया। सब काम ठीक चल रहा है। और किया भी क्या जाये रोज अखबारों में कारें दौड़ाता घमंड कुचल कर जानें ले रहा छपता है। हम खुद खीझते कलपते अपनी चिड़चिड़ाती कार हांकते घर पहुंचते हैं। काश ...।

खेल-खयाल

आदित्य दुबे

लेखक वेबसाइट ई-अन्तर्भव के प्रबन्ध संचालक हैं।

हार के लिए सिर्फ खिलाड़ी नहीं क्रिकेट व्यवस्था भी जिम्मेदार

किसी भी खेल में खिलाड़ी अंतिम कड़ी होते हैं और क्रिकेट में भी ऐसा ही है। उनके प्रदर्शन की नींव वर्षों पहले रखी जाती है। उन्हें कैसी पिचें मिलीं, किस तरह का घरेलू क्रिकेट मिला, किस सोच के साथ कोचिंग दी गई और क्रिकेट बोर्ड ने किस दिशा में खेल को आगे बढ़ाया—ये सभी बातें मिलकर तय करती हैं कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टीम कितनी सफल होगी और भारतीय क्रिकेट टीम के साथ भी ऐसा ही है। इसलिए हर हार के बाद केवल खिलाड़ियों को कठघरे में खड़ा कर देना आसान तो है, लेकिन न्यायसंगत नहीं। भारतीय क्रिकेट की सबसे बड़ी ताकत कभी उसकी परिस्थितियाँ हुआ करती थीं। दुनिया की हर टीम भारत आने से पहले स्पिन गेंदबाज़ी के खिलाफ विशेष तैयारी करती थी। भारतीय पिचें बल्लेबाज़ और गेंदबाज़ दोनों की परीक्षा लेती थीं। हमारे स्पिनर घरेलू क्रिकेट में ही इतने परिपक्व हो जाते थे कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्हें किसी अतिरिक्त तैयारी की आवश्यकता नहीं पड़ती थी। भारतीय बल्लेबाज़ भी बचपन से टर्न लेती गेंदों पर खेलते हुए बड़े होते थे, इसलिए स्पिन के खिलाफ उनकी तकनीक दुनिया में सबसे बेहतर मानी जाती थी।

भारतीय क्रिकेट टीम जब भी किसी बड़े विदेशी दौरे पर हारती है या किसी आईसीसी टूर्नामेंट में उम्मीदों पर खरी नहीं उतरती है तो सबसे पहले खिलाड़ियों पर सवाल उठते हैं। कोई बल्लेबाज़ अपनी तकनीक के लिए आलोचना झेलता है, तो कोई गेंदबाज़ अपनी लय खो देने के लिए। कप्तान की रणनीति पर बहस होती है, चयनकर्ताओं की नीतियों पर उंगली उठती है और सोशल मीडिया पर खिलाड़ियों को असफलता का सबसे बड़ा दोषी घोषित कर दिया जाता है। लेकिन क्या वास्तव में यही पूरा सच है? क्या मैदान पर उतरने वाले ग्यारह खिलाड़ी ही भारतीय क्रिकेट की हर हार के लिए जिम्मेदार हैं, या फिर समस्या उससे कहीं गहरी है?

किसी भी खेल में खिलाड़ी अंतिम कड़ी होते हैंऔर क्रिकेट में भी ऐसा ही है । उनके प्रदर्शन की नींव वर्षों पहले रखी जाती है। उन्हें कैसी पिचें मिलीं, किस तरह का घरेलू क्रिकेट मिला, किस सोच के साथ कोचिंग दी गई और क्रिकेट बोर्ड ने किस दिशा में खेल को आगे बढ़ाया—ये सभी बातें मिलकर तय करती हैं कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टीम कितनी सफल होगी और भारतीय क्रिकेट टीम के साथ भी ऐसा ही है। इसलिए हर हार के बाद केवल खिलाड़ियों को कठघरे में खड़ा कर देना आसान तो है, लेकिन न्यायसंगत नहीं।

भारतीय क्रिकेट की सबसे बड़ी ताकत कभी उसकी परिस्थितियाँ हुआ करती थीं। दुनिया की हर टीम भारत आने से पहले स्पिन गेंदबाज़ी के खिलाफ विशेष तैयारी करती थी। भारतीय पिचें बल्लेबाज़ और गेंदबाज़ दोनों की परीक्षा लेती थीं। हमारे स्पिनर घरेलू क्रिकेट में ही इतने परिपक्व हो जाते थे कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्हें किसी अतिरिक्त तैयारी की आवश्यकता नहीं पड़ती थी। भारतीय बल्लेबाज़ भी बचपन से टर्न लेती गेंदों पर खेलते हुए बड़े होते थे, इसलिए स्पिन के खिलाफ उनकी तकनीक दुनिया में सबसे बेहतर मानी जाती थी।

लेकिन पिछले कुछ वर्षों में भारतीय क्रिकेट की प्राथमिकताएं बदलती हुई दिखाई देती हैं। अब पिचों की चर्चा इस आधार पर होने लगी है कि उन पर कितने रन बनेंगे। यदि किसी मैच में 220 या 250 रन बन जाएं, तो उसे शानदार क्रिकेट कहा जाता है। बल्लेबाज़ी के रिकॉर्ड सुर्खियां बनते हैं, जबकि गेंदबाज़ों का संघर्ष चर्चा का विषय भी नहीं बनता। मनोरंजन के नाम पर सपाट विकेट तैयार करने की प्रवृत्ति धीरे-धीरे सामान्य होती जा रही है। यही वह बदलाव है जिसने भारतीय क्रिकेट की जड़ों को प्रभावित करना शुरू कर दिया है।

क्रिकेट केवल बल्लेबाज़ी का खेल नहीं है। इसकी खूबसूरती बल्ले और गेंद के बीच संतुलन में है। जब पिच पर गेंदबाज़ के लिए कुछ नहीं बचता, तो खेल का एक महत्वपूर्ण पक्ष कमजोर हो जाता है। तेज़ गेंदबाज़ सीम और स्विंग की कला विकसित नहीं कर पाते। स्पिनरों को टर्न नहीं मिलता, इसलिए वे बल्लेबाज़ को छलने की बजाय केवल रन रोकने की कोशिश करते हैं। दूसरी ओर बल्लेबाज़ लगातार ऐसी परिस्थितियों में खेलते हैं जहां गेंद लगभग एक जैसी आती है। धीरे-धीरे उनकी तकनीक कठिन परिस्थितियों के लिए तैयार ही नहीं हो पाती।

इसका असर विदेशी दौरों पर साफ दिखाई देता है। ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और न्यूज़ीलैंड की पिचों पर गेंद सीम करती है, उछाल लेती है और बल्लेबाज़ से धैर्य तथा तकनीक दोनों की मांग करती है। उन देशों के खिलाड़ी बचपन से ऐसी परिस्थितियों में खेलते हैं, इसलिए वे स्वाभाविक रूप से तैयार होते हैं। भारतीय बल्लेबाज़, जो घरेलू क्रिकेट में अधिकतर सपाट पिचों पर रन बनाकर आते हैं, अचानक बिल्कुल अलग परिस्थितियों में खुद को असहज पाते हैं। दूसरी ओर हमारे गेंदबाज़ भी ऐसी पिचों पर उतने प्रभावी नहीं दिखते क्योंकि घरेलू क्रिकेट ने उन्हें लगातार चुनौतीपूर्ण परिस्थितियां उपलब्ध ही नहीं कराईं।

हाल के वर्षों के परिणाम भी इसी दिशा में संकेत करते हैं। भारत को 2024 में अपने ही घर में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ 3-0

से टेस्ट श्रृंखला गंवानी पड़ी। यह भारतीय क्रिकेट इतिहास की सबसे अप्रत्याशित घरेलू हारों में से एक थी। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी टीम 1-3 से श्रृंखला हार गई और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाने का अवसर खो बैठी। इन परिणामों को केवल खिलाड़ियों की व्यक्तिगत असफलता कहकर टाल देना वास्तविक समस्या से आंखें चुराने जैसा होगा। यह हमारी तैयारी, घरेलू ढाँचे और क्रिकेट दर्शन पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगाते हैं।

इस पूरी व्यवस्था में कोचिंग स्टाफ की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। आधुनिक क्रिकेट में कोच केवल तकनीकी सलाहकार नहीं होते, बल्कि पूरी क्रिकेट संस्कृति को दिशा देने वाले व्यक्ति होते हैं। यदि उनकी प्राथमिकता भी बल्लेबाज़ी के अनुकूल पिचें और आसान परिस्थितियां बन जाएं, तो आने वाली पीढ़ी के खिलाड़ियों का विकास सीमित हो जाएगा। महान टीमें अगले मैच के लिए नहीं, बल्कि अगले दशक के लिए तैयार की जाती हैं। दुर्भाग्य से भारतीय क्रिकेट में कई बार ऐसा लगता है कि दीर्घकालिक सोच की जगह तात्कालिक सफलता को प्राथमिकता दी जा रही है।

क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की जिम्मेदारी भी केवल टूर्नामेंट आयोजित करने तक सीमित नहीं है। यह सही है कि हाई-स्कोरिंग मुकाबले दर्शकों को आकर्षित करते हैं, प्रसारण अधिकार महँगे बिकते हैं और राजस्व बढ़ता है। लेकिन किसी भी खेल में व्यावसायिक सफलता और खेल की गुणवत्ता के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक होता है। यदि हर निर्णय मनोरंजन और कमाई को ध्यान में रखकर लिया जाएगा, तो धीरे-धीरे खेल की मूल आत्मा कमजोर पड़ जाएगी। क्रिकेट का उद्देश्य केवल चौके-छक्कों का प्रदर्शन नहीं, बल्कि हर परिस्थिति में श्रेष्ठ खिलाड़ियों को तैयार करना भी है।

दुनिया की सफल क्रिकेट टीमों पर नजर डालें तो एक बात स्पष्ट दिखाई देती है। ऑस्ट्रेलिया ने कभी अपनी तेज़ और उछालभरी पिचों से समझौता नहीं किया। इंग्लैंड ने सीम मूवमेंट वाली परिस्थितियों को अपनी पहचान बनाए रखा। दक्षिण अफ्रीका ने अतिरिक्त उछाल वाली विकेटों को अपनी ताकत बनाया। इन देशों ने मनोरंजन के लिए अपनी क्रिकेट संस्कृति नहीं बदली। परिणामस्वरूप उनके खिलाड़ी हर परिस्थिति में खेलने के लिए तैयार होते हैं।

भारत के पास प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। हर वर्ष सैकड़ों युवा खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करते हैं। समस्या प्रतिभा की नहीं, बल्कि उसे तराशने की प्रक्रिया की है। यदि घरेलू क्रिकेट में गेंदबाज़ को विकेट लेने के लिए संघर्ष करना पड़े और बल्लेबाज़ को कठिन गेंदों का सामना ही न करना पड़े, तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परिणाम अलग कैसे होंगे?

भारतीय क्रिकेट को आज आत्ममंथन की आवश्यकता है। जरूरत इस बात की है कि पिचें ऐसी बनाई जाएं जहां बल्लेबाज़ और गेंदबाज़ दोनों को बराबर अवसर मिले। घरेलू क्रिकेट को भविष्य के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की प्रयोगशाला बनाया जाए, न कि केवल बड़े स्कोरों का मंच। कोचिंग स्टाफ और क्रिकेट प्रशासन को यह समझना होगा कि किसी भी महान टीम की नींव मजबूत घरेलू संरचना पर टिकी होती है, न कि केवल प्रतिभाशाली खिलाड़ियों पर।

हर हार के बाद खिलाड़ियों को दोष देना सबसे आसान रास्ता है, लेकिन इससे समस्या का समाधान नहीं होगा। यदि भारतीय क्रिकेट को फिर से विश्व क्रिकेट में अपना स्थायी वर्चस्व स्थापित करना है, तो बदलाव खिलाड़ियों से पहले सोच में लाना होगा। क्योंकि महान खिलाड़ी पैदा नहीं होते, उन्हें एक दूरदर्शी व्यवस्था तैयार करती है। और जब व्यवस्था ही अपनी दिशा खोने लगे, तो हार केवल मैदान पर नहीं, बल्कि सोच में भी होने लगती है।

योग आयोजन

कर्मयोगी

(वरिष्ठ पत्रकार और योग जानकार)

योग के 21 वर्ल्ड रिकॉर्ड, सैनिकों को समर्पित

एक ही दिन में योग के 21 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित करना आसान नहीं है। इसके लिए महीनों तक योजनाबद्ध प्रशिक्षण, अनुशासित अभ्यास और सैकड़ों मास्टर्स, स्वयंसेवकों, निर्णायकों, गवाहों तथा आयोजक टीमों ने मई व जून की गर्मी में अथक परिश्रम किया। निश्चित रूप से यह उपलब्धि सामूहिक समर्पण और उत्कृष्ट टीमवर्क का जीवंत उदाहरण है। इतने बड़े स्तर पर एक ही दिन में अनेक विश्व रिकॉर्ड स्थापित करना अपने आप में एक असाधारण उपलब्धि है। निश्चित रूप से यह सफलता भारत को विश्व योग मानचित्र पर नई ऊँचाइयों पर स्थापित करेगी।

ऐसे वक्त में जब पश्चिमी देशों, अमेरिका व चीन आदि देशों में योग की विरासत पर पेटेंट लेने और रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज करने की होड़ मची है, हिमालयन सिद्धा अक्षर के नेतृत्व में अक्षर योग केंद्र बेंगलुरु ने एक ही दिन में 21 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स बनाकर विश्व योग इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया है। सही मायने में यह उपलब्धि केवल एक संस्था की सफलता नहीं, बल्कि भारत की प्राचीन योग परंपरा, अनुशासन, समर्पण और सामूहिक चेतना का वैश्विक स्तरीय प्रदर्शन है। अब 21 नए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के साथ अक्षर योग केंद्र योग के क्षेत्र में 42 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स का गौरव प्राप्त कर चुका है। अक्षर योग केंद्र ये 21 विश्व रिकॉर्डस राष्ट्र के वीर सैनिकों को समर्पित किए गए। इस दौरान गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की आधिकारिक टीम पूरे दिन प्रत्येक प्रयास की निगरानी,सत्यापन और मूल्यांकन के लिए उपस्थित रही। सभी निर्धारित मानकों का पालनकरते हुए 21 रिकॉर्ड सफलतापूर्वक घोषित किए गए। निश्चित रूप से इतने बड़े स्तर पर एक ही दिन में अनेक विश्व रिकॉर्ड स्थापित करना अपने आप में एक असाधारण उपलब्धि है। निश्चित रूप से यह सफलता भारत को विश्व योग मानचित्र पर नई ऊँचाइयों पर स्थापित करेगी।

महत्वपूर्ण बात यह है कि इस आयोजन में केवल भारत ही नहीं, दुनिया भर से योग साधकों ने इस स्पर्धा में ऑफलाइन के साथ-साथ ऑनलाइन भाग लिया। इस ऐतिहासिक अभियान में भारत सहित 80 से अधिक देशों के योग साधकों ने सहभागिता की। भारत के साथ-साथ अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, ताइवान, जापान, कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड, सिंगापुर, मलेशिया, इंडोनेशिया, कनाडा, संयुक्त अरब अमीरात सहित अनेक देशों के प्रतिभागियों ने इस वैश्विक योग अभियान को सफल बनाया। इस अवसर पर हजारों योग के प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासनों के माध्यम से विश्व रिकॉर्ड निर्माण में योगदान दिया। अधिकांश गिनीज बुक वर्ल्ड रिकॉर्ड ऑफलाइन योगासन के जरिये बनाये गए। इन रिकॉर्ड्स के साथ-साथ ऑनलाइन आयोजित त्राटक ध्यान अभियान में भी विश्वभर से हजारों लोगों ने भाग लिया। निश्चित रूप से इस पहल ने यह सिद्ध किया कि आज योग केवल शारीरिक अभ्यास नहीं रहा, बल्कि मानसिक संतुलन, भावनात्मक स्थिरता और आध्यात्मिक उन्नति का वैश्विक माध्यम बन चुका है।

वास्तव में एक ही दिन में 21 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित करने के लिए महीनों तक योजनाबद्ध प्रशिक्षण, अनुशासित अभ्यास और सैकड़ों मास्टर्स, स्वयंसेवकों, निर्णायकों, गवाहों तथा आयोजन टीमों ने मई व जून की गर्मी में अथक परिश्रम किया। निश्चित रूप से यह उपलब्धि सामूहिक समर्पण और उत्कृष्ट टीमवर्क का जीवंत उदाहरण बन गई। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर देशभर के अनेक प्रतिष्ठित नेताओं,योग गुरुओं,योग संस्थानों एवं विशिष्ट व्यक्तित्वों ने अक्षर योग केंद्र और हिमालयन सिद्धा अक्षर को शुभकामनाएं प्रेषित की। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री प्रतापराव गणपतराव जाधव ने अक्षर योग केंद्र एवं हिमालयन सिद्धा अक्षर के प्रयासों की मुक्त कंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से यह पहल भारत की प्राचीन योग परंपरा को विश्वभर में नई पहचान प्रदान करने में सक्षम होगी। आज योग की गतिविधियां समाज को स्वस्थ, अनुशासित और सकारात्मक जीवनशैली की प्रेरणा दे रही है। इसके अतिरिक्त प्रसिद्ध अभिनेत्री एवं योग साधिका शिल्पा शेट्टी, अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह, कर्नाटक के राज्यपाल, जनप्रतिनिधियों तथा अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की।

सही मायनों में व्यापक भागीदारी से यह ऐतिहासिक आयोजन मानव चेतना का महोत्सव बना। इस आयोजन को सफल बनाने के लिये विद्यार्थियों, युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों, गृहिणियों, कॉर्पोरेट पेशेवरों, उद्यमियों, दिव्यांग प्रतिभागियों, पुलिस एवं सुरक्षा बलों के जवानों सहित समाज के प्रत्येक वर्ग के लोगों ने इसमें भाग लिया। जिससे एक दिन में 21 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की की बड़ी कामयाबी हासिल की जा सकी। वास्तव में, यह केवल विश्व रिकॉर्ड बनाने का कार्यक्रम नहीं था, बल्कि मानव क्षमता, अनुशासन और सामूहिक चेतना का ऐसा उत्सव था, जिसने यह सिद्ध कर दिया कि जब हजारों लोग एक उद्देश्य के साथ जुड़ते हैं तो इतिहास स्वयं बनता है। इस ऐतिहासिक अवसर पर हिमालयन सिद्धा अक्षर ने सभी 21 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स राष्ट्र के वीर सैनिकों को समर्पित किए। उन्होंने कहा कि भारतीय सैनिकों का साहस, अनुशासन, त्याग और राष्ट्र सेवा प्रत्येक नागरिक के लिए प्रेरणा है। यह उपलब्धि उन वीरों के प्रति कृतज्ञता का एक विनम्र सम्मान है, जो दिन-रात देश की सुरक्षा के लिए समर्पित रहते हैं।

'योग जीवन का अभिन्न अंग है' को दोहराते हुए हिमालयन सिद्धा अक्षर कहते हैं कि कहा कि योग केवल शरीर को स्वस्थ बनाने का अभ्यास नहीं है, बल्कि जीवन जीने की सम्पूर्ण विज्ञान है। जब आप नियमित रूप से योग का अभ्यास करते हैं, तब आप वास्तव में जीवन जीना सीखते हैं। आपका शरीर मजबूत होता है, मन स्थिर होता है, विचार स्पष्ट होते हैं और चेतना का निरंतर विकास होता है। योग का अभ्यास जितना निरंतर होगा, आपका विकास भी उतना ही निरंतर होगा। उन्होंने कहा कि विश्व रिकॉर्ड बनाना अंतिम लक्ष्य नहीं है, बल्कि ऐसे स्वस्थ, सक्षम और जागरूक व्यक्तियों का निर्माण करना ही योग का वास्तविक उद्देश्य है, जो समाज और राष्ट्र के विकास में अपना योगदान दे सकें। निस्संदेह, यह उपलब्धि विश्व भर की योग संस्थाओं के लिए एक नई प्रेरणा और नया मानदंड है। इतने बड़े स्तर पर योग के क्षेत्र में 42 गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स स्थापित करना अत्यंत दुर्लभ उपलब्धि है। यह अक्षर योग केंद्र की वर्षों की शोध, अनुशासित प्रशिक्षण प्रणाली, उत्कृष्ट शिक्षण पद्धति तथा हजारों साधकों के समर्पण का परिणाम है। सही मायने में ये 42 रिकॉर्ड केवल संख्याएँ नहीं हैं, बल्कि लाखों घंटों के अभ्यास, अनुशासन, धैर्य, टीमवर्क और भारतीय योग परंपरा के प्रति अटूट विश्वास का प्रमाण हैं। हिमालयन सिद्धा अक्षर के नेतृत्व में अक्षर योग केंद्र आज विश्व भर में प्रामाणिक योग के प्रसार का साधन बन रहा है। संस्था का उद्देश्य केवल विश्व रिकॉर्ड बनाना नहीं, बल्कि स्वस्थ व्यक्ति, सशक्त परिवार, जागरूक समाज और शांतिपूर्ण विश्व का निर्माण करना है। हिमालय सिद्ध कहते हैं कि 42 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स इस यात्रा का अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत हैं। यह उपलब्धि पूरे विश्व के लिए एक प्रेरणा है कि जब प्राचीन भारतीय ज्ञान, अनुशासन, समर्पण और सामूहिक प्रयास एक साथ आते हैं, तब इतिहास नहीं दोहराया जाता इतिहास रचा जाता है।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित सड़क सुरक्षा समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति अभय मनोहर सप्रे ने की सड़क सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा

सड़क सुरक्षा को जनआंदोलन बनाने पर दिया जोर, हेलमेट-सीट बेल्ट उपयोग बढ़ाने के निर्देश

धार। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं जनहानि रोकने के उद्देश्य से जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित सड़क सुरक्षा समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति श्री अभय मनोहर सप्रे की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में कलेक्टर राजीव रंजन मीना, पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा, अपर कलेक्टर संजीव केशव पाण्डेय सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने जिले में सड़क सुरक्षा की वर्तमान स्थिति, पिछले पांच वर्षों में हुई सड़क दुर्घटनाओं तथा जिले में चिन्हित 18 ब्लैक स्पॉट्स की जानकारी दी। न्यायमूर्ति श्री सप्रे ने सड़क सुरक्षा से जुड़े सभी बिंदुओं की गहन समीक्षा करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए पूरी गंभीरता, ईमानदारी और बारीकी से कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स पर दुर्घटनाओं के कारणों का विश्लेषण कर प्रभावी सुधारात्मक कार्रवाई की जाए।

बैठक में ब्लैक स्पॉट्स पर किए गए सुधार कार्य, हेलमेट एवं सीट बेल्ट उपयोग, चालानी कार्रवाई, आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था तथा सड़क सुरक्षा शिक्षा जैसे विषयों पर चर्चा हुई। बताया गया कि कई चिन्हित स्थलों पर सुधार कार्यों के बाद दुर्घटनाओं एवं जनहानि में उल्लेखनीय कमी आई है तथा कुछ स्थानों पर दुर्घटनाएं शून्य तक लाने में सफलता मिली है। न्यायमूर्ति श्री सप्रे ने हेलमेट एवं सीट बेल्ट के उपयोग को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि चालानी कार्रवाई बढ़ने के बावजूद नागरिकों में सुरक्षा नियमों के पालन की आदत अपेक्षित स्तर तक विकसित नहीं हो पाई है। उन्होंने कहा कि 'जीवन की सुरक्षा सर्वोपरि है। हेलमेट और सीट बेल्ट केवल नियम नहीं बल्कि जीवन रक्षा के सबसे प्रभावी माध्यम हैं।' उन्होंने यातायात सुरक्षा संबंधी जनजागरूकता अभियान को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल शासन या प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति की साझी जिम्मेदारी है। सड़क पर किसी घायल व्यक्ति की मदद करना मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। यदि हम एक व्यक्ति का जीवन बचाते हैं तो यह सबसे बड़ा पुण्य है। बैठक में सड़क निर्माण गुणवत्ता को लेकर भी गंभीर चर्चा की गई। न्यायमूर्ति श्री सप्रे ने सभी सड़क निर्माण एजेंसियों को गुणवत्ता मानकों के अनुरूप कार्य करने, सड़कों के नियमित रखरखाव एवं मरम्मत पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भविष्य में सड़क निर्माण इस प्रकार हो कि ब्लैक स्पॉट्स बनने की संभावना ही न रहे। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि देश में हर तीन मिनट में एक व्यक्ति सड़क दुर्घटना में अपनी जान गंवा देता है। इस गंभीर स्थिति को बदलने के लिए प्रशासन, पुलिस, शिक्षा संस्थानों, सामाजिक संगठनों एवं आम नागरिकों को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने मीडिया की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए सड़क सुरक्षा अभियान में इसकी स्थायी भागीदारी सुनिश्चित करने पर बल दिया। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों, निजी स्कूलों, कॉलेजों, सामाजिक संगठनों एवं मीडिया प्रतिनिधियों ने सहभागिता करते हुए सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान को और प्रभावी बनाने का संकल्प लिया।

साइबर सुरक्षा के प्रति युवाओं को किया गया प्रशिक्षित; 'माय भारत' वॉलंटियर्स बनेंगे 'साइबर एंबेसडर'

धार। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के 'मेरा युवा भारत' अभियान के अंतर्गत धार जिले में 'साइबर सिक्योरिटी सेफ क्लिक 2.0' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यातायात थाना परिसर में आयोजित इस विशेष अनुभवात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम में पुलिस विभाग के सहयोग से 'माय भारत' के स्वयंसेवकों (वॉलंटियर्स) को साइबर सुरक्षा के व्यावहारिक गुर सिखाए गए। जिला युवा अधिकारी दीर्घा राजावत ने बताया कि इस प्रशिक्षण का मुख्य लक्ष्य युवाओं को बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करना और उन्हें तकनीकी रूप से सक्षम बनाना है, ताकि वे अपने डिजिटल परिवेश को सुरक्षित रख सकें। प्रशिक्षण के दौरान यातायात थाना प्रभारी प्रेम सिंह ठाकुर ने साइबर अपराधों के बदलते स्वरूपों के बारे में युवाओं को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि 'आज के दौर में जागरूकता ही साइबर अपराधों से बचने का सबसे बड़ा सुरक्षा कवच है, और 'माय भारत' के युवा इस अभियान को जन-जन तक पहुँचाने में एक मजबूत सेतु के रूप में कार्य करेंगे।' जिला पुलिस के साइबर विशेषज्ञ विजय सिंह भाटी, मुकेश डावर एवं तरुण बैस ने युवाओं को साइबर ठगी, सोशल मीडिया फ्रॉड, फिशिंग और डिजिटल अपराधों से बचाव के व्यावहारिक तरीके समझाए। प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात ये वॉलंटियर्स जिले के सभी ब्लॉकों में 'साइबर एंबेसडर' के रूप में कार्य करेंगे और ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के नागरिकों को 'सेफ क्लिक' के प्रति जागरूक करेंगे। कार्यक्रम में 'माय भारत' की लेखा एवं कार्यक्रम सहायक किरन यादव, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के ब्लॉक समन्वयक अनिरुद्ध चावड़ा, अमित भगोरे, सुमित सहित जिले के 13 ब्लॉकों के वॉलंटियर्स उपस्थित रहे।

विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) का जिला स्तरीय शुभारंभ 2 जुलाई को तिरला में

- राष्ट्रीय कार्यक्रम का होगा सीधा प्रसारण, जन सम्मेलन-सह-लॉन्च कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में हितग्राही होंगे शामिल

धार। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार, आजीविका संवर्धन तथा टिकाऊ ग्रामीण परिसंपत्तियों के निर्माण को नई गति प्रदान करने के उद्देश्य से विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) का प्रदेशव्यापी शुभारंभ 2 जुलाई को किया जाएगा। इसी क्रम में जिले में सामुदायिक भवन, जनपद पंचायत तिरला में प्रातः 10 बजे से जिला स्तरीय जन सम्मेलन-सह-लॉन्च कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद, विधायक धार एवं धरमपुरी, जिला पंचायत अध्यक्ष, जिला पंचायत उपाध्यक्ष सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान भारत सरकार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शुभारंभ कार्यक्रम का लाइव टेलीकास्ट (सीधा प्रसारण) किया जाएगा।

मूंग खरीदी को लेकर कांग्रेस का विशाल धरना-प्रदर्शन आज

सोहागपुर। जिला कांग्रेस जनों के तत्वावधान में किसानों के सम्मान, अधिकारों एवं मूंग की शत-प्रतिशत खरीदी की मांग को लेकर गुरुवार, 2 जुलाई 2026 को दोपहर 12 बजे नया बस स्टैंड में एक विशाल धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा।कांग्रेस नेताओं ने कहा कि प्रदेश सरकार की किसान-विरोधी नीतियों एवं झूठे वादों के कारण किसान लगातार आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। मूंग उत्पादक किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य और समय पर खरीदी नहीं मिलने से भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। सरकार किसानों की मूंग की शत-प्रतिशत खरीदी सुनिश्चित करे । कांग्रेस के पदाधिकारियों ने, किसानों सहित सभी वर्गों के नागरिकों से धरना प्रदर्शन में शामिल होने का आव्हान किया है।इस धरना आंदोलन में कांग्रेस पार्टी की नामचीन हस्तियां उपस्थित रहेंगी।

आयुष विभाग ने मनाया राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस, समीक्षा बैठक में दिए जरूरी निर्देश

बैतूल। आयुष विभाग ने राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर बुधवार को जिला आयुष कार्यालय बैतूल में सम्मान समारोह आयोजित कर जिलेभर के आयुष चिकित्सकों का सम्मान किया। इस अवसर पर विभागीय कार्यों की समीक्षा के साथ शासन के दिशा-निर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी विशेष जोर दिया गया। चिकित्सकों ने स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कार्यालय परिसर में सफाई अभियान चलाया तथा पौधारोपण भी किया। जिला आयुष अधिकारी डॉ. योगेश चौकीकर ने बताया कि आयुष विभाग में प्रत्येक माह की पहली तारीख को मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की जाती है, जिसमें जिले के सभी चिकित्सा अधिकारी शामिल होते हैं। इस बार एक जुलाई को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस होने के कारण नियमित समीक्षा बैठक के साथ जिले के समस्त आयुष चिकित्सकों का सम्मान भी किया गया। बैठक के दौरान जिला आयुष अधिकारी डॉक्टर योगेश चौकीकर ने विभागीय विषयों पर विस्तार से चर्चा करते हुए सभी चिकित्सा अधिकारियों को शासन के समस्त दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए। चिकित्सक दिवस के उपलक्ष्य में सभी चिकित्सकों ने कार्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाकर साफ-सफाई की तथा पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसी अवसर पर आयुष्मान आरोग्य मंदिर नरखेड़ में पदभार ग्रहण करने के बाद डॉक्टर रोहित आठनेरे का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम में जिले के सभी आयुष चिकित्सा अधिकारियों की सहभागिता रही।

पुलिस ने 24 घंटे के भीतर किया अंधे कत्ल का खुलासा

जादू-टोने के शक ने ली बुजुर्ग की जान, तीन गिरफ्तार

बैतूल। आठनेर थाना क्षेत्र में अंधविश्वास के चलते हुई बुजुर्ग की हत्या का पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। जादू-टोना करने के संदेह में दो युवकों ने अपनी बहन की बीमारी का जिम्मेदार मानते हुए वृद्ध की हत्या कर दी। पुलिस ने वैज्ञानिक साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज और त्वरित विवेचना के आधार पर हत्या में शामिल दोनों आरोपियों के साथ एक तांत्रिक को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार 30 जून 2026 को डायल-112 के माध्यम से सूचना मिली थी कि ग्राम मांडवी स्थित नदी पुल के नीचे एक अज्ञात वृद्ध का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल को सुरक्षित करते हुए थाना प्रभारी एवं वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी दी। थाना प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र सिंह परिहार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे और जांच शुरू की। मृतक की पहचान ग्राम पांडुरन्ना निवासी बंसीलाल नागले के रूप में हुई। मृतक के पुत्र पंजाबराव नागले की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक वीरेन्द्र जैन के निर्देश पर एफएसएल टीम और वरिष्ठ अधिकारियों ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। विवेचना के दौरान घटनास्थल के पास स्थित कन्या विद्यालय, मांडवी में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की गहन जांच की गई। फुटेज में विनोद नागले और उसका चचेरा भाई रवि नागले घटना के समय घटनास्थल की ओर जाते हुए दिखाई दिए। इसके बाद पुलिस ने दोनों संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

पूछताछ में आरोपियों ने हत्या करना स्वीकारा- पुलिस पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने हत्या की पूरी घटना स्वीकार कर ली। उन्होंने बताया कि उनकी बहन लंबे समय से बीमार थी और इलाज के बावजूद उसकी तबीयत में सुधार नहीं हो रहा था। इसी कारण उन्होंने गांव में तांत्रिक क्रिया करने वाले रमेश उर्फ जंगली से संपर्क किया। आरोपियों के अनुसार तांत्रिक रमेश उर्फ जंगली ने उन्हें बताया कि बंसीलाल नागले ने उनकी बहन पर जादू-टोना किया है, जिसकी वजह से वह लगातार बीमार रहती है। तांत्रिक की बात पर विश्वास करते हुए दोनों आरोपियों ने मृतक के प्रति रंजिश पाल ली और उसकी हत्या की योजना बनाई। अंधविश्वास और जादू-टोने के संदेह में दोनों ने मिलकर बंसीलाल नागले की हत्या कर दी।

तीनों आरोपियों को किया गिरफ्तार- मामले का खुलासा होने के बाद आठनेर पुलिस ने हत्या में शामिल विनोद नागले, रवि नागले और तांत्रिक रमेश उर्फ जंगली को गिरफ्तार कर लिया। तीनों आरोपियों के विरुद्ध विधिसम्मत वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। प्रकरण में आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र सिंह परिहार, उपनिरीक्षक मांगीलाल ठाकरे, उपनिरीक्षक सुभाष भलावी, सहायक उपनिरीक्षक राममूरत वर्मा, सहायक उपनिरीक्षक संतोष चौधरी, प्रधान आरक्षक पंकज बटले, प्रधान आरक्षक सुभाष माकोड़े, आरक्षक मनीष पटेल, आरक्षक विवेक गाडगे, आरक्षक पवन एनिया, आरक्षक बीरबल मीना, आरक्षक बिप्लव मिरासे, आरक्षक दिनेश उईके तथा प्रवीण धुर्वे की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

एसपी ने की अंधविश्वास से दूर रहने की अपील पुलिस अधीक्षक वीरेन्द्र जैन ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि जादू-टोना जैसी मान्यताओं का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है। किसी भी प्रकार के अंधविश्वास, अफवाह या संदेह के आधार पर किसी व्यक्ति के खिलाफ हिंसा करना या उसकी जान लेना गंभीर अपराध है, जिसके लिए कानून में कठोर दंड का प्रावधान है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि यदि किसी प्रकार का विवाद, संदेह या समस्या हो तो कानून को अपने हाथ में लेने के बजाय तत्काल पुलिस को सूचना दें। बैतूल पुलिस ने जिलेवासियों से सामाजिक सौहार्द बनाए रखने, अंधविश्वास से दूर रहने और किसी भी आपराधिक गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस तक पहुंचाने की भी अपील की है।

मुलताई के विकासखंड शिक्षा अधिकारी का स्थानांतरण, नए बीईओ की नियुक्ति नहीं होने से बढ़ी चिंता

शिक्षा सत्र की शुरुआत में प्रशासनिक अनिश्चितता, 225 स्कूलों की व्यवस्थाओं पर पड़ सकता है असर

बैतूल / मुलताई। मुलताई विकासखंड के शिक्षा विभाग के लिए शिक्षा सत्र की शुरुआत में एक चिंताजनक स्थिति सामने आई है। विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) एवं सहायक संचालक सक्षम बारमाटे का स्थानांतरण होने के बाद अब तक उनके स्थान पर नए बीईओ की नियुक्ति नहीं की गई है। इससे क्षेत्र के शिक्षकों, अभिभावकों और शिक्षा जगत से जुड़े लोगों में चिंता बढ़ गई है। आशंका जताई जा रही है कि यदि शीघ्र ही नियमित अधिकारी की पदस्थापना नहीं हुई तो विकासखंड के लगभग 225 शासकीय विद्यालयों के प्रशासनिक कार्यों और शैक्षणिक गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उल्लेखनीय है कि लंबे समय बाद मुलताई विकासखंड को प्रभारी व्यवस्था के स्थान पर पूर्णकालिक विकासखंड शिक्षा अधिकारी मिले थे। सक्षम बारमाटे के कार्यकाल में शिक्षा व्यवस्था में कई सकारात्मक बदलाव देखने को मिले। विद्यालयों की नियमित मॉनिटरिंग, शिक्षकों के साथ सतत संवाद तथा परीक्षा परिणाम सुधारने के लिए किए गए नवाचारों से शासकीय विद्यालयों का प्रदर्शन बेहतर होने लगा था। ऐसे समय में उनका स्थानांतरण शिक्षा क्षेत्र के लिए झटका माना जा रहा है।

प्रभारी व्यवस्था का बढ़ सकता है बोझ - जानकारी के अनुसार समीपस्थ प्रभात पट्टन विकासखंड में भी लंबे समय से बीईओ का पद रिक्त है। वहां का अतिरिक्त प्रभार मुलताई के बीआरसी आशीष शर्मा को सौंपा गया है। ऐसे में एक अधिकारी पहले से ही दोहरी जिम्मेदारी निभा रहा है। अब यदि मुलताई में भी नियमित बीईओ की नियुक्ति नहीं होती है तो प्रशासनिक व्यवस्था और अधिक प्रभावित हो सकती है। शिक्षा विभाग से जुड़े लोगों का कहना है कि पूर्व में भी कई बार ऐसा हुआ है कि किसी अधिकारी के स्थानांतरण के बाद बीईओ का पद लंबे समय तक रिक्त रहा। कई अवसरों पर सेवानिवृत्ति के निकट पहुंचे शिक्षकों को अतिरिक्त प्रभार देकर व्यवस्था चलाई गई, जिससे शिक्षा संबंधी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और विद्यालयों की नियमित मॉनिटरिंग प्रभावित हुई। ऐसे में आशंका है कि यदि इस बार भी नियमित अधिकारी की नियुक्ति में विलंब हुआ तो शिक्षा व्यवस्था की गति धीमी पड़ सकती है।

इनका कहना है

विकासखंड शिक्षा अधिकारी के स्थानांतरण की जानकारी मिली है। शिक्षा व्यवस्था में सुधार हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुलताई में बीईओ का पद लंबे समय तक रिक्त नहीं रहने दिया जाएगा। आगामी एक सप्ताह के भीतर वरिष्ठ शिक्षा अधिकारियों से चर्चा कर शीघ्र ही नियमित बीईओ की पदस्थापना कराने का प्रयास किया जाएगा।

- चंद्रशेखर देशमुख, विधायक, मुलताई

स्थानांतरण शिक्षा विभाग की नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया है। फिलहाल नए अधिकारी की पदस्थापना के आदेश प्राप्त नहीं हुए हैं, लेकिन प्रयास रहेगा कि मेरे कार्यमुक्त होने से पहले ही जिला स्तर से किसी अधिकारी की नियुक्ति मुलताई विकासखंड शिक्षा अधिकारी के पद पर कर दी जाए, ताकि शैक्षणिक कार्य प्रभावित न हों।

- सक्षम बारमाटे, सहायक संचालक एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी मुलताई

मेंटेनेंस के कारण आज बंद रहेगी बिजली

बैतूल। बिजली कंपनी द्वारा 33/11 केव्ही हमलापुर उपकेंद्र पर पीटीआर की क्षमता वृद्धि के लिए 2 जुलाई को मेंटेनेंस कार्य किया जाएगा। मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड बैतूल शहर जोन- 1 प्रबंधक ने बताया कि प्रस्तावित कार्य के चलते गुरुवार को प्रातः 9 से 12 बजे तक खंजनपुर क्षेत्र के दुर्गा वार्ड, कत्तलढाना, डिपो रोड, विकास नगर, गोयल फैक्ट्री, माचना नगर, अर्जुन वार्ड तथा कालापाठा क्षेत्र के लोहिया वार्ड, चुन्नी ढाना, राजेन्द्र वार्ड, सिविल लाईन, संजय कॉलोनी, मुर्गी चौक, शिवाजी वार्ड, स्वीपर कॉलोनी, जेएच कॉलेज रोड, आदि क्षेत्र में विद्युत सप्लाई बंद रहेगी। इसी प्रकार गंज क्षेत्र के आबकारी, सिन्धी कालोनी, देना बैंक, लक्की सेंटर, कांति शिवा टॉकीज, सेन्ट्रल बैंक, मैकेनिक चौक, अग्रवाल पेट्रोल पंप, बीजेपी कार्यालय, हाथीनाला, डॉ0 लश्करे, बीएसएनएल ऑफिस, गंज महाराष्ट्र बैंक, लोहिया वार्ड, तेल टंकी, एसबीआई बैंक, डॉ. मुले गुरुद्वारा रोड, पुलिस क्वाटर हॉउसिंग बोर्ड तथा ग्रीन सिटी क्षेत्र के विनोबा नगर, विवेकानंद वार्ड, भग्गूढाना, खादी उद्योग के पास, ग्रीन सीटी, माचना नगर, हमलापुर चौक, फारेस्ट ट्रेनिंग सेन्टर, जजेस कॉलोनी आदि क्षेत्र में विद्युत सप्लाई बंद रहेगी।

विद्युत पोल शिफ्टिंग के चलते विद्युत आपूर्ति रहेगी प्रभावित - मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड बैतूल जोन -2 के प्रबंधक शहर ने बताया कि 2 जुलाई को पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा कारगिल चौक से गाड़ाघाट रोड तक निर्माणाधीन सडक़ में बाधा बन रहे विद्युत पोल को शिफ्ट किया जाएगा। जिसके चलते गुरुवार को प्रातः 8 से दोपहर 12 बजे तक 11 केव्ही इटारसी रोड फीडर के फॉरेस्ट नाका, इटारसी रोड, गाड़ाघाट रोड, बालाजी विहार, बसंत पेट्रोल पंप, सेमल वाले बाबा, मारुति शोरूम आदि क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति प्रभावित रहेगी।

समस्त जीव-जगत के अस्तित्व का आधार है जल संरक्षण : मधु चौहान

भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता है यह अभियान : सतीश ठाकरे

बैतूल। जल संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति समाज में व्यापक जनजागरण के उद्देश्य से मध्यप्रदेश सरकार द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड आठनेर के निर्देशन में नगर परिषद आठनेर के सहयोग एवं भवर्थ जन कल्याण संस्था आठनेर के संयोजन से नगर के तपसझिरा स्थित जलकुंड पर सामूहिक श्रमदान द्वारा स्वच्छता कार्यक्रम एवं जल संरक्षण के सामूहिक संकल्प के साथ गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।यह अभियान 19 मार्च से प्रारंभ होकर 30 जून तक चलाया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विकासखंड के विभिन्न चयनित प्रस्फुटन एवं प्रयोगशाला ग्रामों में वृक्षों का पूजन,दीवार लेखन,जल संगोष्ठी,जल चौपाल,जलमंदिर की स्थापना, नदी,तालाब,कुएं एवं हैंडपंप की साफ सफाई,जल स्त्रोतों का गहरीकरण,कलश यात्रा आदि कार्यक्रम आयोजित किए गए।अभियान के समापन अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, समाजसेवी एवं सी एम सी एल डी पी विद्यार्थियों ने श्रमदान कर जल स्त्रोत की साफ-सफाई की और यह संदेश दिया कि जल स्त्रोतों का संरक्षण ही भविष्य की सबसे बड़ी सुरक्षा है। कार्यक्रम को संबोधित करते मप्र जन अभियान परिषद की विकासखंड समन्वयक मधु चौहान ने कहा कि जल केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं बल्कि समस्त जीव-जगत के अस्तित्व का आधार है।आज भूजल स्तर लगातार गिर रहा है,नदियाँ और तालाब सिकुड़ रहे हैं तथा जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा का स्वरूप भी बदल रहा है।ऐसे समय में प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह जल की प्रत्येक बूंद का महत्व समझे और उसके संरक्षण को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाए।नवांकुर संस्था सतपुड़ा पर्यावरण समिति आठनेर के अध्यक्ष सतीश ठाकरे ने कहा कि यदि आज जल का विवेकपूर्ण उपयोग,वर्षा जलद्ध संचयन, पारंपरिक जल स्त्रोतों का संरक्षण,तालाबों एवं कुओं का पुनर्जीवन तथा जल प्रदूषण की रोकथाम जैसे उपाय नहीं अपनाए गए तो आने वाली पीढ़ियों को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ेगा।नवांकुर संस्था ग्राम मानव सेवा समिति बोरपानी के अध्यक्ष राजू सलाम ने कहा कि जल बचाना केवल सरकार का दायित्व नहीं बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है। जनभागीदारी से ही जल सुरक्षा का मजबूत आधार तैयार किया जा सकता है।कार्यक्रम के अंत में नवांकुर संस्था जागृति ग्राम विकास समिति बरखेड़ के अध्यक्ष देवीदास गांवडे ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान केवल एक अभियान नहीं बल्कि प्रकृति,पर्यावरण और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता है।जल की हर बूंद बचाना,हर जल स्त्रोत को स्वच्छ रखना और जल संरक्षण को जन-जन का अभियान बनाना ही इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य है। आभार प्रदर्शन नवांकुर संस्था ताप्ती प्रभास नागरिक सेवा समिति सावंगी के अध्यक्ष दिनेश माकोड़े द्वारा किया गया।कार्यक्रम का समापन अल्पाहार एवं सभी उपस्थित लोगों द्वारा आजीवन जल संरक्षण एवं संवर्धन करने,जल का अपव्यय नहीं करने,वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने,जल स्त्रोतों की नियमित साफ-सफाई एवं संरक्षण करने,अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने तथा दूसरों को भी जल बचाने के लिए प्रेरित करने के संकल्प के साथ किया गया।

संक्षिप्त समाचार

बैतूल में हॉकी प्रतिभा खोज चयन ट्रायल का आयोजन

युवा खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

बैतूल (निप्र)। खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मध्य प्रदेश के तत्वावधान में सोमवार को स्थानीय मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम बैतूल में जिला स्तरीय हॉकी चयन ट्रायल का आयोजन किया गया। इस चयन प्रक्रिया में जिले के अनेक उत्साही बालक-बालिकाओं ने भाग लिया और अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया। चयन प्रक्रिया के दौरान संचालनालय खेल और युवा कल्याण विभाग से आए प्रतिनिधि श्री देवकीनंदन कुशवाह ने विशेष रूप से उपस्थित होकर खिलाड़ियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने उपस्थित बालक-बालिकाओं की खेल प्रतिभा, उनकी शारीरिक क्षमता, स्टेमिना और हॉकी के तकनीकी कौशल (स्किल) का बारीकी से परीक्षण किया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में खेल जगत के कई प्रतिष्ठित पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें श्री जागेंद्र तोमर, श्री देवेंद्र पाटिल, श्री विभाषवर्धन पांडे और जिला खेल अधिकारी श्रीमती पूजा कुरील शामिल थे। सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें खेल की बारीकियों को समझने के लिए प्रेरित किया। इस प्रतिभा खोज अभियान को सफल बनाने में जिले के सभी समन्वयक प्रशिक्षकों की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही। उनके सहयोग से ही चयन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराया जा सका। विभाग का उद्देश्य इस चयन ट्रायल के माध्यम से उभरती हुई खेल प्रतिभाओं को चुनकर उन्हें बेहतर प्रशिक्षण प्रदान करना और राज्य स्तर पर उनका प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना है।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने आमजन की समस्याओं का किया निराकरण

रायसेन (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा द्वारा आमजन की समस्याओं की सुनवाई कर उनका निराकरण किया गया। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जनसुनवाई में आए आवेदकों से उनकी समस्याओं पर गंभीरतापूर्वक चर्चा करते हुए निराकरण किया। कुछ प्रकरणों में उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शीघ्र आवश्यक कार्यवाही कर निराकरण हेतु निर्देशित किया। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का गंभीरतापूर्वक शीघ्रता से निराकरण किया जाए। जनसुनवाई में लगभग 105 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला पंचायत सीईओ श्री कमल सोलंकी, अपर कलेक्टर श्री मनोज उपाध्याय एवं जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

आरोग्य मध्यप्रदेश अभियान के तहत आयुष विंग में हुआ एलोवेरा का पौधरोपण

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के आयुष विभाग द्वारा संचालित 'आरोग्य मध्यप्रदेश अभियान' एवं 'हरित आयुष वनौषधीय पौधरोपण अभियान' के अंतर्गत जिला चिकित्सालय परिसर स्थित आयुष विंग, नर्मदापुरम में औषधीय पौधे एलोवेरा का पौधरोपण किया गया। यह अभियान आयुष विभाग, मंत्रालय भोपाल के निर्देशानुसार एवं जिला आयुष अधिकारी डॉ. एस. आर. करोंजिया के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य वर्षा ऋतु के दौरान आयुष संस्थानों में औषधीय पौधों का रोपण कर हरित वातावरण के साथ-साथ औषधीय पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन को बढ़ावा देना है।आयुष विंग प्रभारी डॉ. ए. के. पुष्कर ने बताया कि एलोवेरा एक महत्वपूर्ण एवं बहुउपयोगी औषधीय पौधा है। आयुर्वेद में इसका उपयोग उदर संबंधी रोगों, त्वचा रोगों, अग्निदग्ध (जलने) की स्थिति में तथा महिलाओं में मासिक धर्म चक्र को नियमित करने सहित विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के उपचार में प्रभावी रूप से किया जाता है। उन्होंने कहा कि ऐसे औषधीय पौधों का रोपण पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ जनस्वास्थ्य की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों के जाति प्रमाण-पत्र निर्माण में विदिशा जिला प्रदेश में बना मिसाल

1.03 लाख विद्यार्थियों में से 87,928 के प्रमाण-पत्र तैयार, शेष 15,712 के लिए अभियान जारी

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में जिले के स्कूली विद्यार्थियों के जाति प्रमाण-पत्र बनाने का कार्य तीव्र गति से जारी है। विशेष अभियान के अंतर्गत उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। जिला शिक्षा केंद्र द्वारा 25 जून 2026 तक संकलित आंकड़ों के अनुसार कक्षा 1 से 8 तक अध्ययनरत कुल 1,03,640 विद्यार्थियों में से 87,928 विद्यार्थियों के जाति प्रमाण-पत्र तैयार किए जा चुके हैं। यह कुल लक्षित विद्यार्थियों का लगभग 85 प्रतिशत है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में अभी 15,712 विद्यार्थियों के जाति प्रमाण-पत्र बनाए जाना शेष हैं। इन विद्यार्थियों के लिए तहसील स्तर पर आवेदन प्रक्रिया लगातार संचालित

की जा रही है। अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों को भविष्य में छात्रवृत्ति, शैक्षणिक योजनाओं तथा अन्य शासकीय सुविधाओं का लाभ सहजता से उपलब्ध कराना है।

आंकड़ों के अनुसार जिले की विभिन्न तहसीलों में प्रमाण-पत्र बनाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। तहसीलवार ततसंबंधी जानकारी अनुसार विदिशा तहसील में 13,446 विद्यार्थियों में से 11,422 विद्यार्थियों के प्रमाण-पत्र तैयार किए जा चुके हैं, जबकि 2,024 विद्यार्थियों के प्रमाण-पत्र बनाए जाना शेष है। इसी प्रकार सिरोंज तहसील में 19,684 विद्यार्थियों में से 17,984, लटेरी में 16,601 में से 14,306 तथा नटेरन में 8,080 में से 7,401 विद्यार्थियों के जाति प्रमाण-पत्र तैयार किए जा चुके हैं। बसौदा विकासखंड की बसौदा तहसील में 12,443 विद्यार्थियों में से 11,083 तथा त्योंदा तहसील में 4,166 में से 3,211 विद्यार्थियों के प्रमाण-पत्र तैयार किए गए हैं। ग्यारसपुर तहसील में 5,206 में से 4,313 तथा गुलाबगंज में 3,256 में से 3,037 विद्यार्थियों के जाति प्रमाण-पत्र बनाए जा चुके हैं। कुरवाई एवं पठारी तहसीलों में भी कार्य प्रगति पर है। कुरवाई में 9,487 विद्यार्थियों में से 6,249 तथा पठारी में 2,541 में से 1,298 विद्यार्थियों के प्रमाण-पत्र तैयार किए गए हैं। शमशाबाद तहसील में 8,730 में से 7,624 विद्यार्थियों के जाति प्रमाण-पत्र बन चुके हैं। अभियान के अंतर्गत विभिन्न तहसीलों से कुल 12,486 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से 5,297 आवेदन ऑनलाइन दर्ज किए गए तथा 1,025 विद्यार्थियों के जाति प्रमाण-पत्र जारी किए जा चुके हैं। जिला प्रशासन द्वारा शेष विद्यार्थियों के प्रमाण-पत्र शीघ्र तैयार करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग का लक्ष्य है कि जिले के प्रत्येक पात्र विद्यार्थी का जाति प्रमाण-पत्र समयबद्ध रूप से तैयार कर उसे उपलब्ध कराया जाए, जिससे किसी भी छात्र को शैक्षणिक एवं शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में कठिनाई न हो।

स्कूल परिसरों में ही बनें नए आंगनबाड़ी भवन, निजी भवनों से केंद्रों को शासकीय भवनों में करें शिफ्ट: कलेक्टर

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने सोमवार को लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग से संबंधित कार्यों की विस्तार से समीक्षा करते हुए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि जिले में निर्मित किए जाने वाले सभी नवीन आंगनबाड़ी केंद्र भवनों का निर्माण प्राथमिकता के आधार पर स्कूल परिसरों में ही कराया जाए, ताकि बच्चों को बेहतर शैक्षणिक एवं आधारभूत सुविधाओं का लाभ मिल सके। बैठक में कलेक्टर श्री गुप्ता ने जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारियों (एसडीएम) को आंगनबाड़ी केंद्र भवनों के लिए आवश्यक भूमि आबंटन की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभागीय समन्वय के माध्यम से ऐसे स्थलों का चयन किया जाए, जहां बच्चों एवं हितग्राहियों को सुगमता से सेवाएं उपलब्ध हो सकें। कलेक्टर ने यह भी निर्देशित किया कि वर्तमान में निजी भवनों में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों को यथाशीघ्र शासकीय रिक्त भवनों में स्थानांतरित किया जाए। इस कार्य में शासकीय स्कूल भवनों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि शासकीय परिसरों में केंद्र संचालित होने से व्यवस्थाओं में सुधार होगा तथा बच्चों की सुरक्षा एवं सुविधा भी सुनिश्चित होगी।

नशा मुक्ति अभियान में 150 से अधिक युवाओं ने लिया संकल्प

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के मार्गदर्शन में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, अजंता ललित कला समाज कल्याण समिति तथा परिवर्तन नशा मुक्ति केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में सरदार वल्लभभाई पटेल प्राइवेट आईटीआई में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 150 से अधिक विद्यार्थियों ने जिले को नशा मुक्त बनाने के लिए सक्रिय भागीदारी निभाने तथा समाज में जनजागरण का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नशा मुक्त भारत अभियान के राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर एवं मुख्य वक्ता वेद प्रकाश शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में नशे जैसी सामाजिक बुराई पर प्रभावी नियंत्रण के लिए 'एक युद्ध नशे के विरुद्ध' जैसे जनआंदोलन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जिले के विद्यार्थी सामूहिक रूप से आगे आकर इस अभियान को सफल बनाएंगे और समाज में जागरूकता का वातावरण तैयार करेंगे। उन्होंने बताया कि नशे पर नियंत्रण के लिए जनजागृति सबसे प्रभावी माध्यम है। युवाओं को नशा मुक्ति अभियान से जोड़ने के लिए केंद्र सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा विकसित पर्सनल डैशबोर्ड की जानकारी भी दी गई, जिसके माध्यम से नशा मुक्ति मित्र अपने योगदान को ट्रैक कर सकते हैं तथा जागरूकता एवं आउटरीच गतिविधियों को अधिक प्रभावी ढंग से संचालित कर सकते हैं।

मादक पदार्थों के दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी के विरुद्ध जिले भर की विभिन्न शिक्षण संस्थाओं में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।जिनसे विद्यार्थियों में नशे के दुष्परिणामों के प्रति समझ और चेतना विकसित हुई है। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा नशे की तस्करी और अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए कठोर कानून बनाए गए हैं, किंतु जागरूकता के अभाव में युवा वर्ग नशे की गिरफ्त में आ रहा है। उन्होंने कहा कि नशा एक गंभीर मानसिक एवं सामाजिक समस्या है, जिसका समय रहते उपचार और परामर्श के माध्यम से प्रभावी नियंत्रण संभव है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अवध बिहारी खरे ने कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है, जिसके उन्मूलन के लिए समाज के सभी वर्गों को मिलकर निरंतर प्रयास करना होगा।

जल संरक्षण के लिए आमजन में चेतना जागृत होना जरूरी: प्रभारी मंत्री पंवार

रायसेन में जल गंगा संवर्धन अभियान-2026 का जिला स्तरीय समापन एवं सम्मान समारोह सम्पन्न कार्यक्रम में जल संरक्षण और नशामुक्त भारत बनाने का संकल्प भी दिलाया गया

रायसेन (निप्र)। रायसेन स्थित स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय के ऑडिटोरियम हॉल में जल गंगा संवर्धन अभियान-2026 का जिला स्तरीय समापन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ जिले के प्रभारी मंत्री एवं मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री नारायण सिंह पंवार, सांची विधायक डॉ. प्रभुराम चौधरी, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता सेन तथा कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।इस अवसर पर जिले के प्रभारी मंत्री श्री पंवार ने उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि आज यहां जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन समारोह है लेकिन जल संरक्षण और संवर्धन का हमारा प्रयास जारी रहना चाहिए। हमें बारिश की एक-एक बूंद को सहेजना होगा। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण के लिए आमजन में चेतना जागृत करनी है।

आमजन को समझना होगा कि पर्यावरण प्रदूषण रोकने के लिए, जल संरचनाओं और जल स्त्रोतों के संरक्षण के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना जरूरी है। प्रभारी मंत्री ने कहा कि अभियान के दौरान जिले में जल संरक्षण और संवर्धन हेतु अनेकों कार्य किए गए हैं। जल संरक्षण के कार्य को हमें अपने जीवन में शामिल करने की आवश्यकता है। समाज का जागरण हमारा लक्ष्य होना चाहिए।प्रभारी मंत्री श्री पंवार ने कहा कि हवा, मिट्टी, पानी प्रकृति द्वारा हमें दिया गया अनमोल उपहार है। यह सब हमें निःशुल्क मिला है इसलिए इसकी महत्ता को लेकर मानव सजग नहीं है, जिसके गंभीर परिणाम भी सामने आ रहे हैं। उन्होंने अलनीनो के खतरे का उल्लेख करते हुए कहा कि आमजन को पर्यावरण का महत्व समझना होगा और इसका संतुलन बनाए रखने, हरियाली बनाए रखने के लिए गंभीरता से काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि रसायनिक उर्वरकों के उपयोग से खेतों को नुकसान पहुंच रहा है, मिट्टी की गुणवत्ता कम हो रही है। भू-

जल स्त्रोत निरंतर नीचे जा रहे है, वॉटर लेवल में कमी आ रही है। प्रभारी मंत्री श्री पंवार ने नागरिकों से आव्हान करते हुए कहा कि जल संरक्षण के लिए, पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक हों और पूरी मेहनत से प्रयास करें। इसकी शुरूआत अपने घर और आसपड़ोस से करें। घरों में रैन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगवाएं, आसपास की जल सरंचनाओं को साफ और स्वच्छ रखें।

कार्यक्रम में उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का प्रदेश की जनता के नाम प्रसारित संदेश का वाचन भी किया। प्रभारी मंत्री श्री पंवार ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, युवाओं, नागरिकों को जल संरक्षण और नशामुक्ति का संकल्प भी दिलाया।कार्यक्रम में सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी ने कहा कि जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ 19 मार्च 2026 को सलामतपुर सुनारी से किया गया और आज इस अभियान का समापन हो रहा है। अभियान के दौरान बारिश के जल को रोकने के लिए पुरानी जल संरचनाओं की साफ-सफाई और गहरीकरण के साथ ही नवीन जल संरचनाओं, अमृत तालाबों, कुओं, सोखपिट आदि का निर्माण किया गया है। हमारी आने वाली पीढ़ी के बेहतर भविष्य के लिए आज जल संरक्षण के प्रयास करने होंगे। जल संरक्षण के लिए नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक साथीगण संकल्प लें कि अपने स्तर पर जल संरक्षण करने और जल का अपव्यय रोकने हर संभव प्रयास करेंगे। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता सेन तथा श्री राकेश शर्मा ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम में जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किए गए कार्यो, विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम, 2025 तथा नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जिले में किए जा रहे कार्यों के बारे में भी जानकारी दी गई। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री आशुतोष गुप्ता, जिला पंचायत सीईओ श्री कमल सोलंकी सहित अन्य अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष श्री मनोज कुशवाह, छात्र-छात्राएं, युवा तथा आमजन उपस्थित रहे।अभियानों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले हुए सम्मानितकार्यक्रम में प्रभारी मंत्री श्री पंवार ने जल गंगा संवर्धन अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों तथा नशामुक्त भारत अभियान के तहत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र और शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया।

खेत बचाओ अभियान के तहत किसानों को प्राकृतिक खेती और संतुलित उर्वरक उपयोग का दिया प्रशिक्षण

बैतूल (निप्र)। भारत सरकार द्वारा संचालित खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत 27 जून को बैतूल जिले के आमला विकासखंड के ग्राम रमली में प्रशिक्षण एवं भैंसदेही में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। अभियान का प्रमुख उद्देश्य किसानों को खरीफ फसलों सोयाबीन मक्का उड़द मूंग अरहर में संतुलित उर्वरक का प्रयोग एवं रसायन मुक्त प्राकृतिक खेती की ओर अग्रसर करना है। प्रशिक्षण में भारत सरकार के प्रतिनिधि दलहन निदेशालय के तकनीकी अधिकारी श्री सरजू पल्लेवार ने अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि खेत बचाओ अभियान का लक्ष्य देश भर में किसानों के उत्पादन लागत को कम करना, मृदा स्वास्थ्य सुधारना एवं जलवायु अनुकूल प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना है। कृषि विज्ञान केंद्र बैतूल बाजार के वैज्ञानिक

डॉ.मुरली इंगले द्वारा मृदा परीक्षण एवं संतुलित उर्वरकों के प्रयोग के संबंध में कृषकों को समझाया। इस अवसर पर परियोजना संचालक आत्मा बैतूल श्री सुरेंद्र कुमार परहाते द्वारा किसानों को फसल विविधीकरण, फसल चक्र, प्राकृतिक खेती की जानकारी दी गई एवं उर्वरकों का संतुलित प्रयोग करने की सलाह दी गई। कार्यक्रम में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी पारस कापसे, बी.टी.एम. नितिन कुमार जायसवाल, विजेंद्र वाईकर ए.टी.एम.. प्रशांत देशमुख, अनिल कटारे एईओ डी.आर. झरबडे, अरविंद झारखंडे तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं किसान उपस्थित रहे। ग्राम भैंसदेही में श्री पल्लेवार ने कृषक श्री राम टिकमें के प्राकृतिक खेती प्रक्षेत्र का भ्रमण एवं अवलोकन किया एवं कृषि सीआरपी श्रीमती राधा नारे से विकासखंड में प्राकृतिक खेती अंतर्गत संचालित की जा रही गतिविधियों की जानकारी पर चर्चा की गई। श्रीमती राधा नारे ने प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों की जानकारी एवं नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग अंतर्गत प्रदाय बीआरसी द्वारा उत्पादित उत्पाद की जानकारी दी। प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों ने भारत सरकार के प्रतिनिधि श्री सरजू पल्लेवार से अंतीवर्ती शस्य क्रिया के लिए मानव चलित एवं पावर चलित यंत्रों को अनुदान में उपलब्ध कराने की मांग रखी, जिससे प्राकृतिक खेती में खरपतवार नियंत्रण में मदद मिल सके तथा प्रक्षेत्र में जैविक कार्बन की मात्रा बढ़ सके।

आरओ प्लांटों की होगी व्यापक समीक्षा, सूची संबंधित विभागों को सौंपने के निर्देश

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने सोमवार को आयोजित लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक में जिले में संचालित आरओ प्लांटों की निरीक्षण रिपोर्ट का विस्तृत जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले के सभी आरओ प्लांटों की अद्यतन सूची तैयार कर संबंधित एसडीएम, नगरीय निकायों के अधिकारियों तथा ऊर्जा विभाग को उपलब्ध कराई जाए, ताकि विभिन्न विभागों के स्तर पर आवश्यक जांच, सत्यापन एवं निगरानी की कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि जिले के अनेक क्षेत्रों में आरओ प्लांटों के माध्यम से नागरिकों को पेयजल आपूर्ति की जा रही है। ऐसे में इन प्लांटों की कार्यप्रणाली, जल गुणवत्ता, विद्युत आपूर्ति व्यवस्था तथा संचालन संबंधी मानकों की नियमित समीक्षा आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आमजन को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है, इसलिए आरओ प्लांटों के संचालन से जुड़े सभी पहलुओं का गंभीरता से परीक्षण किया जाए। बैठक के दौरान कलेक्टर ने संबंधित विभागों के अधिकारियों से विस्तार से चर्चा करते हुए यह मार्गदर्शन दिया कि निरीक्षण के समय किन-किन बिंदुओं पर जानकारी एकत्रित की जानी है। उन्होंने आरओ प्लांटों की स्थापना संबंधी अनुमतियां, विद्युत कनेक्शन की स्थिति, जल स्त्रोत, जल गुणवत्ता परीक्षण, संचालन एवं रखरखाव व्यवस्था, पेयजल वितरण प्रणाली तथा अन्य तकनीकी एवं प्रशासनिक जानकारियों के संकलन पर विशेष बल दिया।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि निरीक्षण प्रक्रिया केवल औपचारिकता न बनकर वास्तविक स्थिति का तथ्यात्मक मूल्यांकन करने वाली हो। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक आरओ प्लांट का भौतिक सत्यापन कर उसकी कार्यक्षमता, उपयोगिता और निर्धारित मानकों के अनुपालन की जानकारी संकलित की जाए। जहां भी अनियमितताएं या कमियां पाई जाएं, वहां आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई के प्रस्ताव तैयार किए जाएं।

श्री गुप्ता ने कहा कि विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर आरओ प्लांटों की सतत निगरानी की व्यवस्था विकसित की जाए, जिससे पेयजल आपूर्ति व्यवस्था अधिक प्रभावी और पारदर्शी बन सके। बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने निरीक्षण संबंधी प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की, जिस पर कलेक्टर ने आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए निर्धारित समय-सीमा में विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संकलित जानकारी के आधार पर आगे की कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी, जिससे जिले के नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता लगातार बनी रहे।

पीएम स्वनिधि योजना में अब तक जिले के 05 हजार से अधिक हितग्राहियों को मिला लोन

25 हितग्राहियों का सम्मान, डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने बारकोड एवं स्पीकर किए वितरित

सीहोर में मनाया गया स्वनिधि महोत्सव

सीहोर (निप्र)। सीहोर नगर पालिका में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत स्वनिधि महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में योजना के उत्कृष्ट हितग्राहियों का सम्मान करते हुए उन्हें सम्मान पत्र एवं कुछ को डिजिटल भुगतान प्रणाली से जोड़ने के उद्देश्य से बारकोड एवं साउंड बॉक्स (स्पीकर) वितरित किए गए। इस दौरान 25 हितग्राहियों को सम्मानित कर उनके सफल व्यवसाय और समय पर ऋण चुकाने की उपलब्धि के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में जानकारी दी गई कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत अब तक नगर पालिका परिषद सीहोर क्षेत्र के 5 हजार से अधिक रेहड़ी-पटरी व्यवसायियों एवं छोटे व्यापारियों को योजना का लाभ दिलाया जा चुका है। योजना के अंतर्गत पहले चरण

में 10 हजार, दूसरे चरण में 20 हजार तथा समय पर ऋण चुकाने वाले हितग्राहियों को तीसरे चरण में 50 हजार तक का ऋण उपलब्ध कराया जाता है। इससे हजारों छोटे व्यवसायियों का कारोबार बढ़ा है और उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। महोत्सव में उन हितग्राहियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया जिन्होंने योजना के तीनों चरणों का सफलतापूर्वक लाभ प्राप्त किया। नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार गरीब, मध्यम वर्ग, रेहड़ी-पटरी व्यवसायियों एवं महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए लगातार जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है। सरकार का उद्देश्य केवल ऋण उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि छोटे व्यापारियों को आत्मनिर्भर बनाना, उन्हें सम्मानपूर्वक रोजगार से जोड़ना और डिजिटल इंडिया अभियान के तहत डिजिटल लेन-देन के लिए भी प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम में सीएमओ श्री सुधीर सिंह, पीओ डूडा नितीन तिवारी, जागृति चौहान सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं प्रधानमंत्री स्वनिधी योजना के हितग्राही, महिला स्व-सहायता समूहों की सदस्याएं एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

इंदौर की बस का दौसा में एक्सीडेंट

● 8 बस यात्रियों की मौत, 21 घायल ● मृतकों में 2 इंदौर के, ऋषिकेश से आ रही बस ट्रेलर से टकराई

दौसा / इंदौर। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर राजस्थान के दौसा इलाके में बुधवार तड़के ऋषिकेश से यात्रियों को लेकर इंदौर की तरफ आ रही हंस ट्रेवल्स की एक स्लीपर बस आगे दौड़ रहे एक ट्रेलर से बेहद रफ्तार में टकरा गई। हादसा मंगलवार रात करीब 2:30 बजे कोलवा थाना क्षेत्र के तनावड़ जीरो पॉइंट पर हुआ। इस दुर्घटना में 8 यात्रियों की मौत हुई और 21 घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार बस तेज रफ्तार में थी और पीछे से ट्रेलर में जा घुसी। टक्कर के बाद दोनों वाहनों में आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कई यात्री बस के अंदर ही फंस गए। टक्कर का झटका इतना जबरदस्त था कि टक्कर होते ही दोनों ही गाड़ियों में अचानक भीषण आग भड़क उठी। देखते ही देखते पूरी बस आग के बड़े गुब्बारे में बदल गई और यात्रियों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। इस दर्दनाक सड़क हादसे में अब तक 8 लोगों की मौत की खबर मिली है, वहीं 21 यात्री घायल हुए, जिनमे 13 गंभीर रूप से झुलस गए। बताया गया कि बस में 5 यात्री

इंदौर के थे। एक्सीडेंट की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। सभी जख्मी मुसाफिरों को पास के ही हॉस्पिटलों में इलाज के लिए दाखिल कराया गया है, जहां डॉक्टर उनकी जान बचाने की कोशिश में जुटे हैं।

मृतकों में इंदौर के 2 यात्री – दौसा जिला अस्पताल के पीएमओ डॉ आरके मीणा के अनुसार आठों मृतकों की अस्पताल पहुंचने से पहले ही मौत हो चुकी थी। इनमें 6 की जान आग में झुलसने से और 2 की सिर में गंभीर चोट लगने से हुई। घायलों में 13 की हालत गंभीर बनी हुई है।

इंदौर निवासी निर्मला पत्नी चंद्रप्रकाश की मौत की पुष्टि हुई है। वहीं झाबुआ के धरमसिंह और काली देवी सहित तीन यात्रियों के अब भी लापता होने की सूचना है। माना जा रहा है कि उनकी मौत हो गई। हादसे के मृतकों में इंदौर के मेघदूत नगर निवासी भूमि भोर (20) पिता भारत भोर भी शामिल हैं।

ड्राइवर को झपकी आने की बात

पुलिस की शुरुआती तफ्तीश और छानबीन में यह बात सामने आ रही है कि शायद तड़के बस के ड्राइवर को नींद की झपकी आ गई थी, जिसके कारण वह गाड़ी पर से अपना संतुलन खो बैठा और यह कयामत टूट पड़ी। हालांकि, पुलिस महकमा हादसे की असली वजह जानने के लिए हर एंगल से मामले की बारीकी से जांच कर रहा है। घटनास्थल पर मौजूद चश्मदीदों का कहना है कि बस के निचले हिस्से यानी डिक्की में सिगरेट के बंडल भारी मात्रा में लदे हुए थे। आशंका है कि इसी वजह से आग ने इतनी जल्दी विकराल रूप ले लिया और पूरी गाड़ी में फैल गई। हालांकि, प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस ने अभी इस सिगरेट वाली बात की कोई ऑफिशियल पुष्टि नहीं की है। पुलिस इस बिंदु को भी अपनी जांच के दायरे में रखकर आगे बढ़ रही है।

कांग्रेस बोली-राम मंदिर चढ़ावा चोरी में एसआईटी ने नौटंकी की

कहा-चंपत राय के घर पर बुलडोजर क्यों नहीं चला, मामले की जांच सीबीआई को दी जाए

भोपाल (नप्र)। कांग्रेस नेताओं ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में केंद्र सरकार और राम जन्मभूमि ट्रस्ट पर कई सवाल उठाए हैं। कांग्रेस ने मामले की सीबीआई जांच की मांग की।

कांग्रेस के पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने कहा कि चढ़ावा चोरी में सरकार ने एसआईटी का गठन करके केवल नौटंकी की है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन लोगों पर कार्रवाई की जा रही है, वे केवल चढ़ावा गिनने वाले कर्मचारी थे। शर्मा ने कहा कि अयोध्या में जो कार्रवाई हो रही, वह चंपत राय और उनके करीबियों को बचाने के लिए की जा रही है। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने इस मुद्दे पर अब तक कुछ नहीं कहा। पूरे

मामले को दबाने की कोशिश की जा रही है।

एमपी कांग्रेस अब इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का बहिष्कार करेगी,तीन दिन का मौन सत्याग्रह रखेगी, बाइट और डिबेट में प्रवक्ता शामिल नहीं होंगे– उज्जैन जमीन खरीद मामले को लेकर एक तरफ जहां कांग्रेस मुख्यमंत्री पर हमलावर है। वहीं इस मामले में कांग्रेस के नेताओं के बयानों से ही पार्टी के भीतर खींचतान मची हुई है। अब कांग्रेस जमीन खरीद मामले में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का बहिष्कार करने जा रही है।

कांग्रेस के प्रवक्ता तीन दिनों तक मौन सत्याग्रह करेंगे

प्रदेश कांग्रेस ने पत्र जारी कर आरोप लगाया है कि मप्र के अधिकांश इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संस्थानों ने इस गंभीर मामले को न तो प्रमुखता से दिखाया और न ही इस पर सार्थक टीवी बहस कराई। इसके विरोध में कांग्रेस ने अगले तीन दिनों तक 'मौन सत्याग्रह' करने और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का बहिष्कार करने का निर्णय लिया है।

शिवराज सिंह ने बाढ़ पीड़ितों को दिया भरोसा, हर प्रभावित परिवार को मिलेगी मदद

बाढ़ प्रभावित अरुणाचल में केंद्रीय मंत्री शिवराज व किरेन रिजिजू एवं सीएम पेमा खांडू के साथ हवाई सर्वेक्षण और जमीनी दौरा

ईटानगर/नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश में आई भीषण बाढ़ के बीच केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू और मुख्यमंत्री पेमा खांडू के साथ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई और जमीनी दौरा कर हालात का जायजा लिया। उन्होंने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया और कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में केंद्र और राज्य सरकार इस संकट में पूरी मजबूती से उनके साथ खड़ी है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने केयी पान्योर जिले समेत कई बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया। इसके साथ ही वे सड़क मार्ग से भी गांवों में पहुंचे और प्रभावित परिवारों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। पीड़ितों से मुलाकात के दौरान शिवराज सिंह चौहान ने भावुक अंदाज में कहा कि दुःख बांटने से ही कम होता है और संकट की घड़ी में एक-दूसरे का साथ देना ही जीवन की सार्थकता है। उन्होंने विशेष रूप से बहनों से बात करते हुए भरोसा दिलाया कि वे अकेली नहीं हैं और केंद्र तथा राज्य सरकार हर कदम पर उनके साथ है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि बाढ़ से हुए नुकसान का विस्तृत सर्वे कराया जाएगा और जिनके घर बह गए हैं, उनके लिए नए मकान बनवाए जाएंगे। खेतों में हुए नुकसान, फसलों की बर्बादी, पशुधन हानि; सभी का आकलन कर उचित मुआवजा दिया जाएगा। तत्काल राहत के रूप में राशन और आवश्यक सामग्री भी उपलब्ध कराई जा रही है।

केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी स्वयं स्थिति को लेकर चिंतित हैं और प्रभावितों की हरसंभव सहायता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इसी के तहत केंद्र सरकार की टीम राज्य के साथ मिलकर लगातार राहत और पुनर्वास कार्यों में जुटी है।

दौरे के दौरान शिवराज सिंह चौहान ने स्थानीय लोगों द्वारा किए जा रहे सामुदायिक प्रयासों की सराहना की। उन्होंने बाढ़ से क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत और सुरक्षा दीवार (प्रोटेक्शन वॉल) बनाने के काम में खुद भी हाथ बंटाया और कहा कि समाज की यह भागीदारी प्रेरणादायक है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि बाढ़ से भारी तबाही हुई है और नुकसान का लगातार आकलन किया जा रहा है।

सीहोर में बारिश के बाद सड़क पर बाइक बहने लगीं

आज 7 जिलों में हैवी रेन अलर्ट

खरगोन में उफनते नाले में उतार दी यात्रियों से भरी बस

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश के बालाघाट में बुधवार तड़के 4 बजे से झमाझम बारिश हो रही है। सुबह 6 से 8.30 बजे तक बारिश बंद रही लेकिन इसके बाद कभी तेज, कभी धीमा पानी गिर रहा है। कटनी, सीहोर और उमरिया में दोपहर बाद पानी गिरा।

इसी के साथ सागर, भोपाल संभाग के कई जिलों से होता हुआ मानसून आगे बढ़ गया है। मौसम विभाग के अनुसार, अब मानसून उज्जैन, ग्वालियर और चंबल संभाग में पहुंचना बाकी है।

अगले एक से दो दिन के भीतर यह प्रदेश के सभी जिलों को कवर कर लेगा। आज मौसम विभाग ने बालाघाट और डिंडौरी में अति भारी बारिश का अलर्ट भी जारी किया है। देवास, हरदा, बैतूल, पांढुर्णा और छिंदवाड़ा में भारी बारिश का अनुमान है। इससे पहले मंगलवार को हुई बारिश से सीहोर के आष्टा में सड़कों पर नदी की तरह पानी बहने लगा। इस दौरान खड़ी मोटरसाइकिलें बहने लगीं। इसका वीडियो भी सामने आया है।इस बार पूरे जून महीने आंधी-बारिश का दौर रहा। इस दौरान कुल 88.2 मिमी यानी 3.5 इंच पानी गिर गया।

खरगोन में तेज बहाव के बावजूद चालक ने बस को पुलिया से निकाला –खरगोन के भगवानपुरा आदिवासी क्षेत्र में बाढ़ के बीच एक निजी यात्री बस को पुलिया से निकालने का मामला सामने आया है। तेज बारिश के बाद पहाड़ी नदी में आए तेज बहाव के बावजूद चालक ने बस को पुलिया से निकाल दिया। इस दौरान बस में यात्री सवार थे। घटना का वीडियो बुधवार सुबह सामने आया।

लगातार तीसरे वर्ष CBSE धार टॉपर DWPS से

1

अपने नौनिहालों को सौंपिए सुरक्षित हाथों में

विशेष ऑफर
NO ADMISSION FEES (Save up to 10000)
NO CAUTION MONEY (Save up to 10000)
FREE BOOK (Save up to 3000 to 5000)

Scan & Apply Now

धार जिले का प्रथम स्कूल जिसमें
ISRO के वैज्ञानिक सैटेलाइट ट्रैकिंग का प्रशिक्षण देंगे

ADMISSION OPEN
LIMITED SEATS
तो अपने बच्चों के लिए चुनिए नं. 1

जिले का एकमात्र स्कूल जिनके विद्यार्थियों ने, स्पोर्ट्स में नेशनल लेवल पर लगभग 1000 मेडल एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 10 मेडल प्राप्त किया

SWIMMING POOL सेमी ओलंपिक साईज

धार का No1 स्कूल

Best in Academics..... Best in Activities

AI POWERED ROBOTICS & CODING LAB

इस वर्ष से विद्यार्थीयों के लिए
मेस सुविधा उपलब्ध

DELHI WORLD PUBLIC SCHOOL, DHAR
Gram. Dharawara (Mandu Road), Dhar (M.P.) Contact - 9522229136-38-39, 8435492273-74-75-76
Email dwpsdhar@gmail.com / www.dwpsdhar.com